वर्ग X पाठ → 1 यूरोप में राष्ट्रवाद
इतिहास

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

(1)

(i) इटली एवं जर्मनी वर्तमान में किस महादेश के अंतर्गत आते हैं।

Ans → यूरोप

(ii) फ्रांस में किस शासक वंश की पुनर्स्थापना वियना कांग्रेस द्वारा की गई थी।

Ans → बूर्बो वंश

(iii) मेजिनी का संबंध किस संगठन से था।

Ans → कार्बोनरी

(iv) इटली एवं जर्मनी के एकीकरण के विरुद्ध निम्न में कौन था।

Ans → ऑस्ट्रिया

(v) काउंट काबूर को विक्टर इमैनुएल ने किस पद पर नियुक्त किया।

Ans → प्रधानमंत्री

(vi) गैरीबाल्डी पेशे से क्या था।

Ans → नाविक

(vii) जर्मन राईन राज्य का निर्माण किसने किया था।

Ans → नेपोलियन बोनापार्ट

(viii) जालवेरिन एक संस्था थी।

Ans → व्यापारियों की

(ix) रक्त एवं लौह की नीति का अवलम्बन किसने किया था।

Ans → बिस्मार्क

(x) फ्रैंकफर्ट की संधि कब हुई।

Ans → 1871

(xi) यूरोप वासियों के लिए किस देश का साहित्य एवं ज्ञान-विज्ञान प्रेरणा स्त्रोत रहा।

Ans → यूनान

(xii) 1829 ई० की एड्रियानोपल की संधि किस देश के साथ हुई।

Ans → तुर्की

(2) रिक्त स्थानों को भरें।

(i) सेडॉन के युद्ध में ही एक महाशक्ति के पतन पर दूसरी यूरोपीय महाशक्ति जर्मनी का जन्म हुआ था।

(ii) सेडोवा का युद्ध ऑस्ट्रिया और प्रशा के बीच हुआ था।

(iii) 1848 ई० की फ्रांसीसी क्रांति ने पुरातन युग का भी अंत कर दिया।

(iv) वेटीकन सिटी के राजमहल, जहाँ पोप रहते थे, जो इटली के संघर्ष से बचा रहा

(v) स्थान को एक स्वतंत्र राष्ट्र घोषित करने के बाद पवेरिया के शासक ओटो को वहाँ का राजा घोषित किया गया।

(vi) हंगरी की राजधानी बुडापेस्ट है।

(3) निम्नलिखित समूहों का मिलान करें।

समूह - 'अ'		समूह - 'ब'
(i) मेजिनी	→	(ख) इटली
(ii) हीगेल	→	(क) दार्शनिक
(iii) बिस्मार्क	→	(घ) जर्मनी का चांसलर

Teacher Signature

Scanned with CamScanner

(घ) विकल्प → (ग) राजनीतिक

(ii) समूह - 'अ' | समूह - 'ब'

(क) वियना सम्मेलन	→ (घ)	1815 ई०
(ख) मेटरनिक का पतन	→ (ग)	1848 ई०
(ग) इटली का एकीकरण	→ (क)	1871 ई०
(घ) सेडॉन युद्ध	→ (ख)	1870 ई०

(iii) समूह - 'अ' | समूह - 'ब'

(क) कोसुथ	→ (ख)	हंगरियन राष्ट्रवादी नेता
(ख) एड्रियानोपल की संधि	→ (ग)	1829 ई०
(ग) यूनान की स्वतंत्रता	→ (घ)	1832 ई०
(घ) पोलैण्ड में आंदोलन	→ (क)	1863 ई०

(5) अति लघु उत्तरीय प्रश्न

(i) राष्ट्रवाद क्या है।

Ans → राष्ट्रवाद आधुनिक विश्व की राजनीतिक जागृति का प्रतिफल है। यह एक ऐसी भावना है, जो किसी विशेष भौगोलिक सांस्कृतिक सामाजिक परिवेश में रहने वाले लोगों में प्रेम एकता एवं भाईचारे की भावना उत्पन्न करती है। इसका बीजारोपण पुनर्जागरण काल में हुआ और उन्नत रूप से प्रकट हुई।

(ii) मेजिनी कौन था ?

Ans → मेजिनी इटली के एकीकरण का पैगम्बर संदेशवाहक, के साथ- साथ साहित्यकार गणतांत्रिक विचारों का समर्थक एवं

कर्मठ कार्यकर्ता था।

(iii) जर्मनी के एकीकरण की बाधाएँ क्या थी।

Ans → जर्मनी के एकीकरण की मुख्य बाधाएँ मेटरनिख की घोर प्रतिक्रियावादी नीति थी। जिसके फलस्वरूप जर्मनी 300 छोटे-बड़े राज्यों में बँटा था और उन सभी में राष्ट्रवाद के भावना का पूर्णतः अभाव था।

(iv) मेटरनिख युग क्या है।

Ans → मेटरनिक आस्ट्रिया का चांसलर था। वह घोर प्रतिक्रियावादी था। वह क्रांति के संदेशों का विरोधी था एवं पुरातन व्यवस्था बनाए रखना चाहता था। उसके नीति का मूल मंत्र था - शासन करो, और कोई परिवर्तन न होने दो। मेटरनिक का मुख्य उद्देश्य राष्ट्रवादी और लोकतांत्रिक भावनाओं को कुचलना। यह युग 1815 - 1848 ई० तक चला।

लघु उत्तरीय प्रश्न

(5) 1848 के फ्रांसीसी क्रांति के कारण क्या थी।

(i) Ans → लुई फिलीप के शासन काल में 1848 में क्रांति हुई थी। वह महत्वकांक्षी एवं उदार शासक था। उसने अपने विरोधियों को खुश करने के लिए स्वर्णिम मध्यम वर्गीय नीति का सहारा लिया। उसने गीजो को 1840 ई० में अपना प्रधानमंत्री बनाया। यह व्यक्ति भी इसी तरह के वैधानिक सामाजिक एवं आर्थिक सुधारों का विरोधी था। इस

Scanned with CamScanner

समय गरीबी, भूखमरी एवं बेरोजगारी व्यापक रूप से फैली हुई थी। जिससे प्रधानमंत्री गीजो की आलोचना होने लगी।

22 फरवरी 1848 ई० में थीयर्स के नेतृत्व में पेरिस में एक विशाल भोज का आयोजन किया गया। लुई फिलिप और गीजो ने इस आयोजन पर प्रतिबंध लगाया जिससे क्रांति आरंभ हो गई। इसे ही 1848 ई० की फ्रांसीसी क्रांति कहा जाता है।

(ii) इटली जर्मनी के एकीकरण में आॅस्ट्रिया की भूमिका क्या थी।

Ans → इटली और जर्मनी के एकीकरण में आस्ट्रिया के चासंलर मेटरनिक की महत्वपूर्ण भूमिका थी। उसने 1815 से 1848 के बीच इन दोनो देशों को कई छोटे-छोटे टुकड़ों में बाँटकर उनपर कड़ा नियंत्रण स्थापित किया मेटरनिक की कठोर नितियों के कारण जर्मनी और इटली के जनता में उसके प्रति असंतोष जगा। जिसके फलस्वरूप इन दोनो देशों के जनता में अपने राष्ट्र के प्रति राष्ट्रीयता की भावना जागी। जिससे इन देशों में एकीकरण का मार्ग प्रशस्त हुआ। इस प्रकार हम कह सकते हैं कि मेटरनिक की कठोर नितियों का प्रतिफल है, जर्मनी और इटली का एकीकरण।

(iii) यूरोप में राष्ट्रवाद को फैलाने में नेपोलियन बोनापार्ट किस तरह सहायक हुआ।

Teacher Signature

Scanned with CamScanner

Ans → यूरोप में राष्ट्रीयता की भावना के विकास में नेपोलियन बोनापार्ट का महत्वपूर्ण योगदान है। उसने फ्रांस, जर्मनी, आस्ट्रिया, इटली तथा अन्य यूरोपीय देशों पर अपना अधिपत्य जमाकर लोगों में राष्ट्रभक्ति की भावना जागरूक किया। इटली और जर्मनी को भौगोलिक नाम की परिधि में बाँधकर उसे वास्तविक रूप रेखा प्रदान किया। इसके फलस्वरूप नेपोलियन के विरुद्ध में जर्मनी, इटली की सेनाओं में प्रेम, देशभक्ति और राष्ट्रीयता की भावना जागी। इस प्रकार राजनीतिक पुनर्जागरण में फ्रांसीसी क्रांति एवं नेपोलियन के उदय ने यूरोप में राष्ट्रवाद की भावना को मजबूत किया।

(iv) गैरीबाल्डी के कार्यों की चर्चा करें।

Ans → गैरीबाल्डी पेशे से नाविक और इटली के एकीकरण में उसका महत्वपूर्ण योगदान था। उसने संपूर्ण इटली के क्षेत्रों पर अधिकार करके विक्टर इमैनुएल को सत्ता सौंप दिया और अपनी भी सारी संपत्ति राष्ट्र को समर्पित कर एक किसान की जीवन जीने के राह पर चल दिया।

(v) विलियम I के अंतर्गत जर्मनी का एकीकरण बिस्मार्क के लिए असंभव था- कैसे?

Ans → विलियम I प्रशा का राजा था वह जर्मनी का एकीकरण करना चाहता था। इस कार्य

Teacher Signature

Scanned with CamScanner

में अनेक बाधाएँ थी। इस बाधाओं को दूर करने के लिए उसने बिस्मार्क को अपना प्रधानमंत्री बनाया। बिस्मार्क को पूर्ण विश्वास था कि जर्मनी के एकीकरण भाषणों द्वारा या संवाद द्वारा नहीं हो सकता इसके लिए हथियारों की झनकार तथा रक्त पात द्वारा ही संभव हो सकता है। उसने प्रशा को आर्थिक एवं सैनिक दृष्टि से मजबूत करने के लिए औद्योगिक करण की नीति को बढ़ावा दिया। इस नीति से प्रशा दोनों दृष्टियों से बहुत जल्द संपन्न हो गया। विलियम प्रथम ने बिस्मार्क के हर कार्य में भरपूर सहयोग दे दिया। जिससे बिस्मार्क जर्मनी के एकीकरण में सफल रहा। इस प्रकार हम कह सकते हैं कि विलियम I के बगैर बिस्मार्क के लिए जर्मनी का एकीकरण असंभव था।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

(6) (i) इटली के एकीकरण में मेजिनी काबूर और गैरीबाल्डी के योगदानों को बतावें।

Ans → इटली के एकीकरण में मेंजिनी, काबूर और गैरीबाल्डी का महत्वपूर्ण योगदान है।

(1) मेंजिनी → मेंजिनी इटली के एकीकरण का पैगम्बर संदेशवाहक के साथ-साथ साहित्यकार गणतांत्रिक विचारों का समर्थक एवं कर्मठ कार्यकर्ता था। इसने 1831 ई० में उसने यंग इटली की स्थापना की तथा 1834 में यंग यूरोप

Scanned with CamScanner

की संस्थापना की।

(ii) काउंट कावूर को इटली का एकीकरण का कूटनीतिज्ञ कहा जाता है। कावूर ने अपनी कूटनीति से इटली के एकीकरण में महत्वपूर्ण योगदान था।

(iii) गैरीबाल्डी → गैरीबाल्डी को इटली के एकीकरण को तलवार की शक्ति कहा जाता है। गैरीबाल्डी ने कहा था कि इटली का एकीकरण संवाद से नहीं बल्कि तलवारों तथा रक्तपात से होगा।

इस प्रकार हम कह सकते हैं कि मेंजिनी, काउंट कावूर, गैरीबाल्डी का योगदान इटली के एकीकरण में था।

(iii) जर्मनी के एकीकरण में बिस्मार्क की भूमिका का वर्णन करें।

Ans → जर्मनी के एकीकरण में बिस्मार्क की महत्वपूर्ण भूमिका है। बिस्मार्क प्रशा का रहने वाला था। वह हमेशा जर्मनी का एकीकरण चाहता था। वह सैन्य शक्ति का समर्थक था। इसके लिए उसने रक्त और लौह की नीति का नारा दिया था। कालांतर में उसने 1830 के ऑस्ट्रिया प्रशा संधि का विरोध किया। उसने फ्रांस से समझौता कर उसने ऑस्ट्रिया - प्रशा युद्ध से फ्रांस को तटस्थ रखा।

इस प्रकार हम कह सकते हैं कि जर्मनी के एकीकरण में बिस्मार्क की

महत्वपूर्ण भूमिका थी।

(iii) राष्ट्रवाद के उदय के कारणों एवं प्रभाव की चर्चा करें।

Ans→ राष्ट्रवाद के परिमाण स्वरूप ही अनेक छोटे - बड़े राज्यों का उदय हुआ कि उनमें राष्ट्रीयता की भावना इतनी प्रबल हुई की उनमें साम्राज्य-वादी प्रवृतियों का जन्म हुआ साथ ही अफ्रीका एवं अफ्रीकी देशों में साम्राज्यवाद के प्रति राष्ट्रीयता की लहर फैलने लगी इसी राष्ट्रीयता की देन है कि उनमें त्याग और बलिदान की भावना जागी। इसके फलस्वरूप अनेक एशिया एवं अफ्रीकी देशो में स्वतंत्रता के बाद एकीकरण भी हुआ।

(iv) जुलाई 1830 की क्रांति का विवरण दें।

Ans→ 1830 ई० की क्रांति के समय चार्ल्स X फ्रांस का राजा था। जो घोर प्रतिक्रिया वादी था। उसने फ्रांस से उभर रही राष्ट्रीयता एवं जनतांत्रिक भावनाओं को दबाने का कार्य किया वह पोलीग्नेक को अपना प्रधानमंत्री बनाया। वह भी प्रतिक्रियावादी था। जिसने लोकतंत्र की गला घोटने का प्रयास किया उसने समान्य नागरिक संहिता के स्थान पर शक्ति शाली अभिजात वर्ग की स्थापना तथा विशेषाधिकारों से विभूषित करने का विकास किया उसके प्रयास से उदारवादी चुनौती एवं क्रांति के विरुद्ध षंडयंत्र समझा। फ्रांस के प्रतिनिधि संस्था में पोलीग्नेक के विरुद्ध

असंतोष पैदा किया। इस प्रतिक्रिया के फल स्वरूप चार्ल्स X उदारवादियों को गला घोंटने के लिए चार अध्यादेश लागू करने का प्रयास किया। इस अध्यादेश के खिलाफ फ्रांस में 28 जून 1830 ई० से सशस्त्र आरंभ हो गया। जिसे जुलाई ई० की क्रांति कहते हैं।

1830 इस क्रांति के परिणाम स्वरूप चार्ल्स X गद्दी त्याग दिया और इंग्लैंड चला गया। इस प्रकार फ्रांस में बूर्बों वंश का अंत हो गया। इस वंश के अंत होने के बाद लुई फिलिप उदार वादियों पत्रकारों तथा पेरिस के जनता के समर्थन से सत्ता प्राप्त किया।

(v). यूनानी स्वतंत्रता आन्दोलन का संक्षिप्त विवरण दें।

Ans → यूनान का अपना ही गौरवमय अतीत रहा है। यूनान की सभ्यता अति प्राचीन है। जब फ्रांस में फ्रांसीसी क्रांति हुई तो यूनान की जनता में राष्ट्रीयता और राष्ट्रवाद की भावना जग गई। तब यूनान के लोग ने अपनी स्वतंत्रता के लिए क्रांति कर दिये। कहाँ जाता है अगर यूनान को सर्दी लगी तो पूरे यूरोप पर उसका असर होता है।

इस प्रकार हम कह सकते हैं कि यूनान के लोगों के लिए यूनानी स्वतंत्रता की महत्वपूर्ण भूमिका है।

Scanned with CamScanner

समाजवाद एवं साम्यवाद
पाठ → 2 x — x — x — x — x — x
x — x — x — x

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

(1)
(i) रूस में कृषक दास प्रथा का अंत कब हुआ।
Ans → 1861 ई० (क)
(ii) रूस में जार का अर्थ क्या होता है।
Ans → रूस का सम्राट (घ)
(iii) कार्ल मार्क्स का जन्म कहाँ हुआ था।
Ans → जर्मनी (ख)
(iv) साम्यवादी शासन का पहला प्रयोग कहाँ हुआ।
Ans → रूस (क)
(v) यूटोपियन समाजवादी कौन नहीं था।
Ans → कार्ल मार्स (ग)
(vi) 'वार एंड पीस' किसकी रचना है।
Ans → टॉलस्टाय (ख)
(vii) बोलशेविक क्रांति कब हुई।
Ans → नवंबर 1917 (ख)
(viii) लाल सेना का गठन किसने किया था।
Ans → ट्रॉटस्की (ग)
(ix) लेनिन की मृत्यु कब हुई।
Ans → 1924 (घ)
(x) ब्रेस्ट लिटोवस्क की संधि किन देशों के बीच हुआ था।
Ans → जर्मनी और रूस (घ)

(2) रिक्त स्थानों की पूर्ति करें।
(i) रूसी क्रांति के समय शासक जार निकोलस II था।
(ii) बोलशेविक क्रांति का नेतृत्व लेनिन ने किया था।

Scanned with CamScanner

(iii) नई आर्थिक नीति 1921 ई० में लागू हुआ था।
.....

(iv) राबर्ट ओवन ब्रिटेन का निवासी था।
.....

(v) वैज्ञानिक समाजवाद का जनक कार्ल मार्क्स को माना जाता है।
.....

अति लघु उत्तरीय प्रश्न।

(3) पूँजीवाद क्या है।

(i) Ans → पूँजीवाद एक ऐसी आर्थिक राजनीतिक व्यवस्था है। जिसमें उत्पादन के साधनों पर निजी स्वामित्व होता है। इसमें अधिक से अधिक लाभ कमाने का उद्देश्य होता है साथ ही सरकारी हस्तक्षेप का विरोध करता है।

खूनी रविवार क्या है।

(ii) Ans → 1905 ई० में रूस जापान युद्ध में रूस जैसे विशाल देश को जापान जैसा छोटा देश पराजित कर दिया। इस घटना से रूसी जनता राष्ट्रीय अपमान समझा। इस अपमान आक्रोशित होकर 9 जनवरी 1905 को रविवार का दिन था। हजारो रूसी, किसान, मजदूर अपने बाल बच्चों के साथ राजा के महल सेंट पीटर्स की जा रहे थे। रास्ते में छोटे भगवान हमें रोटी दो का नारे भी लगा रहे थे। इन निहत्थे जनता पर जार के सैनिकों ने गोलियाँ चलवा दी। जिसमें हजारों लोग मारे गए। यह घटना 'खूनी

Teacher Signature

Scanned with CamScanner

रविवार' या 'लाल रविवार के नाम से जाना जाता है।

अक्टूबर क्रांति क्या है।

(iii) Ans→ 7 नवंबर 1917 को लेनिन ने अपने दल के सहयोगियों के माध्यम से केरेन्स्की सरकार को बदलने के लिए एक क्रांति किया जिसे अक्टूबर क्रांति कहाँ जाता है। चूँकि 7 नवंबर पुराने रूसी कैलेंडर के अनुसार 25 अक्टूबर था। इसलिए इसे अक्टूबर क्रांति भी कहाँ जाता है।

सर्वहारा वर्ग किसे कहते हैं।

(iv) Ans→ समाज का वह वर्ग जिसमें किसान मजदूर एवं आम जनता शामिल हो उसे सर्वहारा वर्ग कहा जाता है।

क्रांति से पूर्व रूसी किसानों की स्थिति कैसी थी?

(v) Ans→ क्रांति से पूर्व रूसी किसानों की स्थिति काफी दैनिय थी। उनके खेत छोटे थे और उसपर वे पुराने ढंग से खेती करते थे। वे कर के बोझ से दबे थे। अपने स्थिति में सुधार लाने के लिए उन्हे क्रांति के अलावा कोई विकल्प नहीं था।

लघु उत्तरीय प्रश्न

(i) रूसी करण की नीति क्रांति हेतु कहाँ तक उत्तरदायी थी?

Ans→ रूस में स्लाव जाति के लोग बहुसंख्यक थे। इसके अतिरिक्त पोल, फिन, यहूदी जर्मन इत्यादि अल्पसंख्यक थे। जार निकोलस ने

Teacher Signature

Scanned with CamScanner

ने अल्पसंख्यकों पर रूसी करण की नीति लादने का प्रयास किया। उसने नारा दिया एक रूस, एक चर्च, एक जार, जार के इस नीति से सभी अल्पसंख्यक विरोधी हो गए और क्रांति के लिए तैयार हो गए और क्रांति तैयार हो गए। इस प्रकार हम कह सकते हैं कि रूसी करण की नीति क्रांति हेतु बहुत हद तक जिम्मेदार थी।

(iii) साम्यवाद एक नई आर्थिक एवं सामाजिक व्यवस्था थी कैसे?

Ans → 1917 के रूसी क्रांति के पहले रूस में सामाजिक एवं आर्थिक विषमता चरम सीमा पर थी। क्रांति के बाद लेनिन ने रूसी समाज के आर्थिक एवं सामाजिक समस्या को समाप्त करने के लिए वर्ग विहिन समाज की स्थापना कर समाज का स्वरूप ही बदल दिया। समाज में सिर्फ एक वर्ग साम्यवादी वर्ग रहा व्यक्तिगत संपति को राष्ट्रीय संपति घोषित कर दिया और समाज में आर्थिक विषमता को समाप्त कर दिया। इस प्रकार हम कह सकते हैं कि लेनिन ने साम्यवाद के माध्यम से एक नई सामाजिक आर्थिक व्यवस्था के स्थापना कर वर्ग विहिन एवं शोषण मुक्त समाज की स्थापना की।

(iv) नई आर्थिक नीति मार्क्सवादी सिद्धांतों के साथ समझौता था कैसे?

Ans → क्रांति के बाद लेनिन सत्ता में आया उसने मार्क्स

Teacher Signature

Scanned with CamScanner

के सिद्धांत को रूस में लागू कर दिया। जिससे फैक्ट्री एवं खेतों में उत्पादन काफी घट गया। देश के अर्थ व्यवस्था काफी चर्मरा गई। चारों तरफ भूखमरी, बेरोजगारी, गरीबी से लोग की स्थिति दैनिय होने लगी। इस समस्या से निपटने के लिए लेनिन ने 1921 ई० में नई आर्थिक नीति दिया। जिससे बहुत जलद ही देश की अर्थ व्यवस्था में सुधार हुआ। नई आर्थिक नीति बहुत हद तक मार्क्स के सिद्धांत के साथ समझौता है। नई आर्थिक नीति के मुख्य बातें निम्न थी।

(i) किसानों के अनाज के स्थान पर एक निश्चित कर लगाया गया। बचा हुआ अनाज अपनी इच्छानुसार उपयोग कर सकता है।

(ii) सिद्धांत में जमीन राज्य की होगी, लेकिन व्यवहार में जमीन का स्वामित्व किसानों को दिया जाएगा।

(iii) 20 से कम मजदूर वाले उद्योग को निजि रूप में चलाने का अधिकार दिया गया।

(iv) विदेशी पूँजी सीमित अंश में निवेश किया गया।

(v) विभिन्न स्तर पर बैंक की स्थापना की गई।

(vi) व्यक्ति संपति एवं जीवन बीमा को राजकीय एजेंसी द्वारा संचालित किया गया।

(vii) ट्रेड यूनियन की सदस्यता समाप्त कर दी गई।

उपयुक्त नीतियों से रूस की अर्थव्यवस्था में काफी सुधार हुआ।

Teacher Signature

Scanned with CamScanner

(iv) प्रथम विश्वयुद्ध में रूस की पराजय क्रांति हेतु मार्ग प्रशस्त किया कैसे ?

Ans→ प्रथम विश्व युद्ध 1914 से 1918 ई० तक चला। इस युद्ध में रूस भी मित्रराष्ट्रों की ओर से शामिल हो गया। रूस भी युद्ध में शामिल हो गया। युद्ध में रूस को शामिल होने का मुख्य उद्देश्य यह था कि रूसी जनता आंतरिक असंतोष भूलकर को भूलकर बाहरी मामलों में लगाया जाए। जार निकोलस II अपने देश को युद्ध में तो शामिल कर दिया। लेकिन अपने सैनिकों की आवश्यक आवश्यकता की पूर्ति था। हथियारों के पूर्ति करने में सक्षम नहीं रहा। परिणाम यह हुआ कि बड़े पैमाने पर रूसी सैनिक मारे गए तथा हमेशा युद्ध से रूस के सैनिकों के सर्वनाश के खबर आने लगा। इससे जनता आक्रोशित हो गई। जब लेनिन 1917 में क्रांति किया तो रूसी जनता उस को हर तरह से साथ दे दिया। इस प्रकार हम कह सकते हैं कि प्रथम विश्व युद्ध में रूस की पराजय क्रांति हेतु बहुत हद तक जिम्मेवार थी।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

(5) रूसी क्रांति के कारणों की विवेचना करें।

(i) Ans→ 20वीं शताब्दी की इतिहास की एक युगांतकारी घटना रूस की क्रांति थी। जो 1917 में हुई थी। इस क्रांति से रूस के जार शाही

Teacher Signature

Scanned with CamScanner

व्यवस्था का अंत कर मात्र लोकतंत्र की स्थापना ही नहीं की बल्कि सामाजिक आर्थिक राजनीतिक क्षेत्रों में कुलीनों, पूँजीपतियों और जमींदारों की शक्ति का अंत किया तथा किसानों मजदूरों की सत्ता स्थापित किया। इस क्रांति के निम्न कारण थें।

(i) जार की निरंकुशता एवं अयोग्य शासन।
(ii) किसानों की दैनिय स्थिति।
(iii) मजदूरों की दैनिय स्थिति।
(iv) औद्योगिकरण की समस्या।
(v) रूसीकरण की नीति।
(vi) 1905 की क्रांति।
(vii) मार्क्सवाद का प्रभाव तथा बुद्धिजीवियों का योगदान
(viii) प्रथम विश्व युद्ध में रूस की पराजय (तात्कालिक कारण)

(iii) रूसी क्रांति के प्रभाव के विवेचन करें।

Ans→ 1917 की रूसी क्रांति का प्रभाव रूस के साथ-साथ विश्व पर हुआ है। इस क्रांति ने सर्वहारा वर्ग को आवाज दिया। इस क्रांति के निम्न प्रभाव हुए।

(i) इस क्रांति के बाद रूस की सत्ता दबे कुचले सर्वहारा वर्ग के हाथ में आ गई।
(ii) इस क्रांति के बाद पूँजीवादी देश अपने आर्थिक नीतियों में परिवर्तन किया।
(iii) इस क्रांति के बाद साम्राज्यवाद के खिलाफ बड़े स्तर पर आंदोलन होने लगे।

Teacher Signature

Scanned with CamScanner

(iv) इस क्रांति के बाद विश्व दो भिन्न विचार धारा में बँट गया।
(1) साम्यवादी गुट
(2) पूँजीवादी गुट
इन दोनो गुटो की बीच लगभग 4 दशको का शीत युद्ध आरंभ हो गया। जिससे विश्व में हथियारों की होड़ बढ़ गई जो विश्व शांति के लिए खतरा है।

(iv) कार्ल मार्क्स की जीवनी एवं सिद्धांतों का वर्णन करें।

Ans → आधुनिक समाजवाद के जनक कार्ल मार्क्स थे। इनका जन्म 5 मई 1818 ई० को जर्मनी के राईन प्रांत के ट्रियर नगर में एक यहूदी परिवार में हुआ था। इनके पिता हेनरिक मार्क्स एक प्रसिद्ध वकील थे। मार्क्स ने बोन और बर्लिन विश्व विद्यालय में शिक्षा ग्रहण की विद्यार्थी जीवन में ही मार्क्स पर रूसो मांटेस्क्यू और हीगल के विचार से काफी प्रभावित थे। 1843 ई० में अपने बचपन के मित्र जेनी से इन्होंने विवाह किया। 1844 ई० में पेरिस में फ्रेडरिक एंगेल्स से इनकी मुलाकात हुई और जीवनभर उनके साथ उन की मित्रता बनी रही। एंगेल्स के विचारों से प्रभावित होकर इन्होंने 1848 ई० में श्रमिकों के कष्टो एवं उनके कार्य की

दशा का अध्ययन कर कम्युनिस्ट मैनिफेस्टो (समाजवाद का घोषणा पत्र) प्रकाशित किया जिसे आधुनिक समाजवाद का जनक माना जाता है। इन्होने सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक विचारों को स्पष्ट रूप से व्यक्त किया। 1867 ई० में मार्क्स ने "दास-कैपिटल" पुस्तक प्रकाशित किया। जिसे "समाजवादियों का बाइबिल" कहा जाता है।

मार्क्स के सिद्धांत।

द्वंदात्मक भौतिकवाद का सिद्धांत।

(1) वर्ग संघर्ष का सिद्धांत।

(2) इतिहास की भौतिवादी व्याख्या।

(3) मूल्य एवं अतिरिक्त मूल्य का सिद्धांत।

(4) वर्ग विहिन एवं राज्यहीन समाज की स्थां०।

(5) यूटोपियन समाजवादी → कार्ल मार्क्स के

(v) पहले मजदूरों एवं वस्तु के मूल्य पर चिंतन करने वाले लोग ही यूटोपियन समाजवादी या स्वप्न दर्शी कहलाते है। इनमें चार व्यक्ति का नाम प्रमुख है।

सेंट साइमन (ii) चार्ल्स फौरियर

(i) लुई ब्लां (iv) राबर्ट ओवन

(iii) दास कैपिटल → कार्ल मार्क्स (ख)

6 (i) चेका → गुप्त पुलिस संगठन (घ)

(ii) नई आर्थिक नीति → लेनिन (ङ)

(iii) कार्ल मार्क्स की मृत्यु → 1883 (ग)

(iv) स्टालिन की मृत्यु → 1953 (क)

(v)

हिन्द - चीन में राष्ट्रवादी आंदोलन

x — x — x — x — x — x — x

पाठ → 3

x — x — x — x

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

(1)

(i) हिन्द - चीन में कौन से देश आते हैं।

Ans → कम्बोडिया, वियतनाम, लाओस

(ii) अंकोरवाट का मंदिर कहाँ स्थित है।

Ans → कम्बोडिया

(iii) हिन्द चीन में पहुँचने वाले प्रथम व्यापारी कौन थे।

Ans → पुर्तगाली

(iv) हिन्द चीन में बसने वाले फ्रांसीसी कहे जाते थे।

Ans → कोलोन

(v) नरोतम सिंहानुक कहाँ के शासक थे।

Ans → कम्बोडिया

(vi) "द हिस्ट्री ऑफ द लॉस ऑफ वियतनाम" किसने लिखा।

Ans → फान - बोई - चाऊ

(vii) मार्च 1946 में फ्रांस एवं वियतनाम के बीच होने वाला समझौता किस नाम से जाना जाता है।

Ans → हनोई समझौता

(viii) किस प्रसिद्ध दार्शनिक ने एक अदालत लगा कर अमेरिका को वियतनाम युद्ध के लिए दोषी करार दिया।

Ans → रसेल

(ix) हिन्द-चीनी क्षेत्र में अंतिम युद्ध समाप्ति के समय में अमेरिकी राष्ट्रपति कौन थे।

Ans → निक्सन

Teacher Signature

(x) होआ - होआ आन्दोलन किस प्रकृति का था।
Ans → क्रांतिकारी धार्मिक

(2) रिक्त स्थानों को भरें।
(i) .... वी शताब्दी में राजा सूर्य वर्मा द्वितीय ने 12 अंकोर मंदिर का निर्माण करवाया था।

(ii) जेनेवा समझौते ने पूरे वियतनाम को दो .... हिस्से में बाँट दिया।
(iii) हो - ची - मिन्ह का दूसरा नाम "न्यूगन आई क्वोक" .... था।

(iv) दिएन - बिएन फु के युद्ध में फ्रांस बुरी तरह हार गए।
(v) अनामी दल का संस्थापक जीन उएन आई .... था।

(3) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न
(i) एक तरफा अनुबंध व्यवस्था क्या थी।
Ans → एक तरफा अनुबंध व्यवस्था एक तरह की बंधुआ मजदूरी थी। वहाँ मजदूरों का कोई अधिकार नहीं था। जबकि मालिक को असीमित अधिकार प्राप्त था।
(ii) बाओदायी कौन था।
Ans → बाओदायी पेरिस का रहने वाला था। फ्रांस ने बाओदायी को बुलाकर उसे वियतनाम का शासक बना दिया।

Teacher Signature

हिन्द - चीन का अर्थ क्या है।

(iii) Ans → हिन्द - चीन का अर्थ यह है कि कुछ देशों पर हिन्दुस्तान की संस्कृति सभ्यता का प्रभाव है तथा कुछ देशों चीन की इसलिए इसे हिन्द - चीन के नाम से जाना जाता है।

जेनेवा समझौता कब और किसके बीच हुआ।

(iv) Ans → जेनेवा समझौता 1954 ई० में सोवियत रूस और संयुक्त राष्ट्र अमेरिका के साथ हुआ था।

होआ - होआ आंदोलन की चर्चा करें।

(v) Ans → होआ - होआ एक बौद्धिष्ट धार्मिक क्रान्तिकारी आंदोलन था। जो 1939 में शुरू हुआ था। जिसके नेता - हुइन्ह फू - सो था। क्रांतिकारी उग्रवादी घटनाओं को भी अंजाम देते थे। जिसमें आत्मदाह तक भी शामिल होता था। इसका केंद्र मेकांग था।

लघु उत्तरीय प्रश्न

(4) हिन्द - चीन में फ्रांसीसी प्रसार का वर्णन करें।

(i) Ans → हिन्द - चीन में आने वाला पहला यूरोपीय पुर्तगाली था। इसके बाद इन क्षेत्रों में स्पेन, डच, इंग्लैंड और फ्रांसीसियों का आगमन हुआ। इन सभी कंपनियों में हिन्द चीन पर फ्रांस ने अपना प्रभुत्व स्थापित कर अपना प्रसार करने में सफल रहा।

(ii) रासायनिक हथियारों एवं ऐजेन्ट ऑरेंज का वर्णन करें।

Ans → (ii) रासायनिक हथियार → तापाम यह एक तरह का

Scanned with CamScanner

आर्गेनिक कम्पाउंड है जो अग्नि बमों में गैसोलिन के साथ मिलकर एक ऐसा मिश्रण तैयार करता था। जो त्वचा से जाता और जलता रहता था। इसका व्यापक पैमाने पर वियतनाम में प्रयोग किया गया था।

(ii) एजेन्ट - आरेंज → यह एक ऐसा जहर था। जिससे पेड़ों की पतियाँ तुरत झुलस जाती थी। एवं पेड़ मर जाता था। जंगलों को खत्म करने के लिए इसका प्रयोग किया जाता था। इसका नाम आरेंज पट्टियों वाले ड्रमों में रखे जाने के कारण पड़ा। अमेरिका इनका इस्तेमाल जंगलों के साथ खेतों और आबादी दोनों पर जमकर प्रयोग किया। इस जहर का असर आज भी नजर आता है, जन्मजात विकलांगता के रूप में अभी तक व्यक्त है।

(iii) हो-ची-मिन्ह के विषय में संक्षिप्त में लिखें।

Ans → हो-ची मिन्ह वियतनाम के स्वतंत्रता सेनानी थे। द्वितीय चीन में विकास के क्रम में रूस से साम्यवादी व्यवस्था से प्रभावित होकर उन्होंने हिन्द-चीन में साम्यवादी विचार धारा का प्रचार प्रसार किया। इन्होंने वियतनामी क्रांतिकारी दल का गठन किया। इस संगठन के माध्यम से उन्होंने कार्यकर्ताओं को सैनिक प्रशिक्षण के साथ-साथ साम्य...

Teacher Signature

Scanned with CamScanner

वादी विचार धारा का भी प्रचार किया। द्वितीय विश्व युद्ध में उन्होंने छापेमारी युद्धनीति का सहारा लिया। 1945 ई० में वियतनाम को स्वतंत्रता की घोषणा कर सरकार की स्थापना की। जिसका प्रधान वे स्वंय बने। 2 सितम्बर 1969 ई० को उनका देहान्त हो गया।

(iv) हो-ची-मिन्ह मार्ग क्या है, बतावे।

Ans → हो-ची मिन्ह मार्ग वियतनाम के मुख्य मार्गों में एक है। यह हनोई से गुजरता हुआ लाओस, कम्बोडिया के सीमा को पार करते हुए वियतनाम को जाता है। इस मार्ग से सैकड़ो कच्ची-पक्की सड़के निकली हुई हैं। यह मार्ग वियतनामियों की आवश्यक आपूर्ति का मार्ग था। अमेरिका वियतनाम युद्ध में अमेरिका ने सैकड़ो बार इस मार्ग को ध्वस्त किया था। परन्तु वियतनामी इस मार्ग को तुरंत मरम्मत कर देते थे। यह मार्ग वियतनामियों के लिए जीवन रेखा मार्ग थी। अमेरिका इस मार्ग पर हमेशा नियंत्रण का प्रयास किया। परंतु वियतनामियों के हौसले के सामने अमेरिका का सपना पुरा नहीं हुआ।

(V) अमेरिका हिन्द-चीन में कैसे घुसा चर्चा करें।

Ans → जब अमेरिका फ्रांस के पक्ष में समर्थन करके हिन्द-चीन में घुसा। जब अमेरिका हिन्द-चीन में घुसा तो ऐसा लग रहा था कि तृतीय

Scanned with CamScanner

विश्व युद्ध हो जाएगा। अमेरिका वियतनाम दो हिस्सों में भी बाँट दिया। जिसे उत्तरी वियतनाम तथा दक्षिणी वियतनाम के नाम से जाना जाता है। अमेरिका हिन्द-चीन में इसलिए भी घुसा था कि वह चाहता था कि ये हिस्सा भारत तथा चीन का महत्व हिस्सा है ये अपने कब्जे में लिया जाए तो वह दोनों देशों पर अपनी पकड़ बना लेगा। इस कारण हिन्द-चीन में अमेरिका घुसा।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

(5) हिन्द-चीन उपनिवेश स्थापना का उद्देश्य क्या था।

(i) उपनिवेश

Ans → हिन्द-चीन में फ्रांस अपना स्थापना का मुख्य उद्देश्य था कि यह भू-भाग भारत तथा चीन का भाग है। अगर फ्रांस इस पर अपना अधिकार कर लेगा तो दोनों देशों पर अपना प्रभुत्व जमाने में आसानी होगी। इससे कच्चा माल अपने देश में लेके जाना तथा बना हुआ माल यहाँ पर बेचने पर आसानी होगी। इस लिए फ्रांस अपना उपनिवेश हिन्द-चीन में स्थापित करना चाहता था।

(ii) माई ली गाँव की घटना क्या थी? इसका क्या प्रभाव पड़ा।

Ans → दक्षिणी वियतनाम में एक गाँव था। जहाँ के लोगो साम्यवादी सर्मथक थे। इसीलिए वहाँ अमेरिकी सेना ने उस गाँव को घेर लिया। तथा जितने पुरुष थे। उसको मार दिया तथा

Teacher Signature

Scanned with CamScanner

महिलाओं - बच्चों को बंधक बनाकर कई दिनों तक सामूहिक बलात्कार किया और उन्हे मार कर गाँव को आग लगा दिया। उसी लाशों के ढेर में एक बूढ़ा जिंदा बचा था उसी ने इस घटना का उजागर दुनिया के सामने किया।

इसका प्रभाव अमेरिका बहुत पड़ा था कि उस समय अमेरिका के राष्ट्रपति निक्सन थे। इस घटना से राष्ट्रपति निक्सन की आलोचना पूरे विश्व में होने लगी। इस पर हॉलिवुड में इस घटना पर फिल्म बन गई जिससे निक्सन की आलोचना बढ़ गई इसलिए राष्ट्रपति निक्सन ने शांति के संबंध में पाँच सूत्री योजना दी।

(i) हिन्द-चीन की सभी सेनाएँ युद्ध बंद कर यथा स्थान पर रहें।

(ii) युद्ध विराम की देख-रेख अंतराष्ट्रीय पर्यवेक्षक करेंगे।

(iii) इस दौरान कोई देश अपनी शक्ति बढ़ाने का प्रयत्न नहीं करेगा।

(iv) युद्ध विराम के दौरान सभी युद्ध बंद रहेगी।

(v) युद्ध विराम का अंतिम लक्ष्य हिन्द-चीन में संघर्ष का अंत होगा।

(iv) फ्रांसीसी शोषण के साथ-साथ उसके द्वारा किये गये सकारात्मक कार्यों की समीक्षा करें।

Ans→ फ्रांसीसी शोषण के साथ-साथ ~~उसके~~ उन्हे बहुत सारे सकारात्मक कार्य किया।

Teacher Sign

Scanned with CamScanner

इन्होंने ने अपने लाभ के लिए यातायात का जाल बिछा दिया कि वे कच्चा माल यहाँ से ले जाए तथा पका हुआ माल यहां लेके बेचे सकें। इन्होंने दलदली भूमि को कृषि योग्य बनाया था। नहरों का जाल बिछा दिया। 1931 ई० में वियतनाम तीसरा चावल निर्यात देश बन गया। इस प्रकार हम कह सकते हैं कि उन्होंने शोषण के साथ-साथ सकारात्मक कार्य भी किये हैं।

(v) हिन्द-चीन में राष्ट्रवाद के विकास का वर्णन करें।

Ans → हिन्द-चीन में राष्ट्रवाद में फान-बोई-चाऊ ने "द हिस्ट्री द लॉस ऑफ वियतनाम" नामक किताब लिख विश्व तथा वियतनाम, कम्बोडिया, लाओस में हलचल पैदा कर दी। कुछ छात्रों ने भी दूसरे विद्वानों की बात, उनके पर उनका प्रभाव पड़ा वह भी क्रांतिकारी बन गए और वे जगह-जगह पर क्रांति करने लगे। इस प्रकार हिन्द-चीन में राष्ट्रवाद का विकास हुआ।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

* अमेरिका युद्ध में कितने डॉलर खर्च हुए।

Ans→ 9855 करोड़ डॉलर

* अमेरिका वियतनाम युद्ध में अमेरिका के कितने सैनिक मारे गए थे,

Ans→ 56000 से अधिक सैनिक

* आधुनिक विश्व की राजनैतिक जागृति का प्रतिफल क्या है।

Ans→ राष्ट्रवाद

* राष्ट्रवाद का बीजारोपण कब और कहाँ हुआ।

Ans→ यूरोप में पुनर्जागरण काल

* राष्ट्रवाद कब और किस क्रांति में उन्नत हुई।

Ans→ 1789 ई० फ्रांसीसी क्रांति

* नेपोलियन के पतन होने बाद यूरोप की शक्तियाँ कब और कहाँ मिलि।

Ans→ 1815 वियना में

* वियना सम्मेलन की मेजबानी किसने की।

Ans→ मेटरनिख

* सिसली और नेपलस प्रदेश किसको दे दिया गया,

Ans→ बूर्बोवंश के सम्राट (फर्डिनेंट को)

* लोम्बार्डी एवं वेनेशिया किसको दे दिया।

Ans→ ऑस्ट्रिया को

* जर्मनी के 39 रियासतों पर अप्रत्यक्ष से किसका शासन था।

Ans→ ऑस्ट्रिया का

* सम्राट की ओर से संवैधानिक घोषणा पत्र कब जारी किया गया।

Ans→ 2 जून 1814 ई०

* चार्ल्स x किस अध्यादेश से उदार तत्वों का गला घोंटना चाहता था।

Ans→ चार अध्यादेश (25 जुलाई 1830 ई० में)

* 1830 ई० क्रांति के बाद किस वंश का शासन था।

Ans→ आर्लेयेस वंश

* स्वर्णिम मध्यम वर्गीय नीति का अवलम्बन किसने किया।
Ans - लुई फिलिप
* लुई फिलिप का P.M कब और कौन था।
Ans - गीजो 1840 ई0
* पेरिस में विशाल भोज का नेतृत्व किसने और कब आयोजन हुआ था।
Ans - थियर्स (22 फरवरी 1848 ई0)
* मेजिनी का पूरा नाम क्या था।
Ans - जोसेफ मेजिनी
* यंग इटली तथा यंग यूरोप कब प्रकाशित हुई
Ans - 1831 ई0 में, 1834 ई0 में
* इटली के एकीकरण को कितने भागों में बाँटा गया
Ans - दो चरणों में
* क्रिमिया युद्ध कब हुआ था।
Ans - 1853-54
* गैरीबाल्डी पेशे से क्या था।
Ans - नाविक
* गैरीबाल्डी का जीवन चरित्र किसने लिखा।
Ans - लाला लाजपत राय
* काबूर की मृत्यु कब हुई।
Ans - 1862 ई0
* पोप ने अपने आप को किस किले में बंद कर लिया।
Ans - वेटिकन सिटी के किले में,
* जर्मनी किसके काल में संगठित होकर लम्बे समय तक रहा।
Ans - शार्लमा (800 ई0 लगभग)

(1) आधुनिक काल में समाज को नया आयाम किसने दिया।
Ans → समाजवाद ने
(2) औद्योगिक क्रांति कब हुई थी।
Ans → उन्नीसवीं शदी में
(3) समाजवाद को ऐतिहासिक दृष्टि से कितने भागों में बाँटा गया है।
Ans → दो भागों में (मार्क्स से पहले, मार्क्स के बाद)
(4) लुई ब्लां ने अपनी फैक्टी कहां खोली थी।
Ans → स्काटलैण्ड (न्यू लुनार्क)
(5) कार्ल मार्क्स का जन्म कब हुआ था।
Ans → 5 मई 1818 ई०
(6) कार्ल मार्क्स के पिता का क्या नाम था।
Ans → हेनरिक मार्क्स
(7) मार्क्स किसके विचारों से प्रभावित रहते थे।
Ans → हीगल के
(8) कार्ल मार्क्स की विवाह किसके साथ कब हुई।
Ans → जेनी के साथ (1843 ई०)
(9) कार्ल मार्क्स की गहरी मित्रता कब और किसके साथ हुई।
Ans → (1844 ई० में) (फ्रेडरिक एंगेल्स)
(10) कार्ल मार्क्स ने साम्यवादी घोषणा पत्र कब निकाला।
Ans → (1848 ई० में)
(11) आधुनिक समाजवाद का जनक किसे कहा जाता है।
Ans → कार्ल मार्क्स को
(12) दास कैपिटल किसकी बाईबिल है।
Ans → समाजवादियों की (1867 ई०)

Scanned with CamScanner

(1) हिन्द-चीन कितने लाखों K.m में फैला है।
Ans → 3 लाख (2.80 लाख) वर्ग K.m

(2) हिन्द-चीन में तत्कालीन समय में कितने देश है।
Ans → तीन (3)

(3) किन देशों पर भारत की संस्कृति का प्रभाव हिन्द-चीन में है।
As → लाओस और कम्बोडिया

(4) वियतनाम पर किस देश की संस्कृति का प्रभाव है।
Ans → चीन का

(5) हिन्द-चीन में भारतीय संस्कृति का केन्द्र कहाँ था।
Ans → कम्बुज

(6) अंकोर मंदिर का निर्माण किसने और कब करवाया था।
Ans → राजा सूर्यवर्मा द्वितीय ने (12वी शताब्दी में)

(7) कम्बुज का पतन कब हुआ था।
Ans → 16वीं शताब्दी में

(8) 1510 ई० में हिन्द-चीनी देशों के साथ व्यापार करने का व्यापारी केन्द्र कौन था।
Ans → मलक्का

(9) फ्रांस अन्नाम में रुचि कब लेने लगा।
As → 1747 ई० में

(10) हिन्द-चीन में फ्रांस कब हिन्द-चीन को अपने अधीन कर लिया।
As → 20वी शताब्दी में

(11) तोंकिन के जीवन की आधार कौन घाटी थी।
As → लाल घाटी

इकाई - 1

भारत: संसाधन एवं उपयोग

(i) कोयला किस प्रकार का संसाधन है?
(a) अनवीकरणीय

(ii) और अधिक निम्नलिखित में से कौन सा संसाधन है :- (b) पुनः पूर्तियोग्य

(iii) तट रेखा से कितने कि०मी० क्षेत्र सीमा अपवर्जक आर्थिक क्षेत्र कहलाते हैं?
(b) 200 N.M.

(iv) डाकुओं की अर्थव्यवस्था का संबंध है :-
(b) संसाधनों के अनियोजित विदोहन से

(v) अमुद्री क्षेत्र में राजनैतिक सीमा के कितनी कि०मी० क्षेत्र तक राष्ट्रीय संपदा निहित है। (d) 19.2 कि०मी०

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. संसाधन को परिभाषित कीजिए।
वे सभी वस्तुएँ जिससे मानव की विभिन्न प्रकार की आवश्यकताओं की पूर्ति होती है। संसाधन कहलाते हैं। संसाधन होते नहीं बनते हैं।

2. संभावी एवं संचित-कोष संसाधन में अंतर स्पष्ट कीजिए।
संभावी संसाधन - ऐसे संसाधन जो किसी क्षेत्र विशेष में मौजूद होते है जिसे उपयोग में लाने की संभावना रहती है। इसका उपयोग अभी तक नहीं किया गया है तो ऐसे संसाधन को संभावी संसाधन कहते है।

Scanned with CamScanner

जैसे :- (i) हिमालय क्षेत्र का खनिज

(ii) संचित कोष संसाधन :- वैसे संसाधन जिनका तत्काल उपयोग प्रारम्भ नहीं हुआ है। यह भविष्य की पूँजी है। तो वैसे संसाधन संचित कोष संसाधन कहलाते हैं।
जैसे :- नदी, जल

3 संसाधन संरक्षण की उपयोगिता को लिखिए।

सभ्यता एवम् संस्कृति के विकास में संसाधनों की अहम् भूमिका होता है। किंतु संसाधनों का अविवेक पूर्ण उपयोग विभिन्न प्रकार के सामाजिक आर्थिक सांस्कृतिक एवम् पर्यावरणीय समस्याओं को जन्म देते हैं। इन समस्याओं के समाधान हेतु विभिन्न स्तरों पर संरक्षण की आवश्यकता है। संसाधनो का नियोजित एवम् विवेकपूर्ण उपयोग ही संसाधन संरक्षण कहलाता है।

4 संसाधन निर्माण में तकनीक की क्या भूमिका है स्पष्ट कीजिए।

संसाधन निर्माण में तकनीकी का महत्वपूर्ण भूमिकाएं है इसके बिना विभिन्न प्रकार के संसाधनों के निर्माण एवं उपयोग संभव नहीं है। तकनीकि के माध्यम से ही पर्यावरण के पदार्थ उपयोगी बन जाते हैं।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न :

1 संसाधन के विकास में 'सतत विकास' की अवधारणा की व्याख्या कीजिए।

संसाधन मनुष्य के जीविका का आधार है। जीवन की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए संसाधनो के सतत विकास की अवधारणा अति आवश्यक है। संसाधन प्रकृति प्रदत्त उपहार है। इस अवधारणा के कारण मानव ने इनका अंधाधुंध दोहन किया जिसके कारण पर्यावरणीय समस्याएँ उत्पन्न हो गई। व्यक्ति के लालच जिज्ञासा ने संसाधनों का तीव्रतम दोहन कर संसाधनों के भण्डार को चिंतनीय ह्रास ला दिया। सम्पन्न लोगों द्वारा स्वार्थ के वश में आकर मनुष्य संसाधनों का विवेकहीन दोहन किया। जिससे विश्व पारिस्थितिकी, घोर संकट की स्थिति उत्पन्न हो गई है। भूमण्डलीय तापन, ओजन परत का ह्रास पर्यावरण प्रदूषण, मृदा, क्षरण, भूमी विस्थापन, अम्लीय वर्षा, असमय ऋतु, परिवर्तन जैसे पारिस्थितिकी

सकेत प्रतीक पर सौन्दर्य सभ्यता संस्कृति को निर्माण करने को तैयार है।

2. स्वामित्व के आधार पर संसाधन के विविध स्वरूपों का वर्णन कीजिए।

स्वामित्व के आधार पर संसाधन के विभिन्न स्वरूप प्रकार हैं :-

(i) व्यक्तिगत संसाधन :- वैसे संसाधन जिस पर किसी खास व्यक्ति का अधिकार होता है। व्यक्तिगत संसाधन कहलाते हैं।

जैसे - घर का जमीन, चारागाह, बागानी, बगीचा, तालाब, कुआँ।

(ii) सामुदायिक संसाधन :- वैसे संसाधन जो किसी खास समुदाय के आधिपत्य में होता है जिसका उपयोग समूह के लिए सुलभ होता है। सामुदायिक संसाधन कहलाता है।

जैसे :- गाँवों में चारणभूमि, श्मशान घाट, मंदिर, मस्जिद, सामुदायिक भवन, सार्वजनिक पार्क, पिकनिक स्थल, खेल मैदान इत्यादि।

(iii) राष्ट्रीय संसाधन :- देश या राष्ट्र के अन्तर्गत सभी उपलब्ध संसाधन राष्ट्रीय संसाधन कहलाते हैं।

जैसे :- भूमि, खनिज पदार्थ, जल, वन एवं वन्य जीव,

(iv) अंतराष्ट्रीय संसाधन :- वैसे संसाधन जो एक राष्ट्र से दूसरे राष्ट्र के अधिकार क्षेत्र में होते हैं तो उसे अंतराष्ट्रीय संसाधन कहते हैं। ऐसे संसाधन का नियंत्रण अंतराष्ट्रीय संस्था करती है। ऐसे संसाधन का उपयोग सिर्फ अनुसंधान हेतु अंतराष्ट्रीय संस्थाओं के सहमति से किसी राष्ट्र द्वारा किया जा सकता है।

(क) प्राकृतिक संसाधन

1. पंजाब में भूमि निम्नीकरण का मुख्य कारण है : अधिक सिंचाई

2. सोपानी कृषि किस राज्य में प्रचलित है?

उत्तराखंड

3. मरुस्थलीय स्तूपों का विस्तार निम्न में से कहाँ है।

राजस्थान

4. मेढक के प्रजनन को नष्ट करने वाला रसायन कौन है?

(क) प्राकृतिक संसाधन

रेंड्जीन

5 काली मृदा का दूसरा नाम क्या है?

रेगुर मृदा

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. जलोढ़ मृदा के विस्तार वाले राज्यों के नाम बतायें। इस मृदा में कौन-कौन-सी फसलें लगायी जा सकती हैं?

जलोढ़ मृदा का विस्तार पंजाब हरियाणा उत्तर प्रदेश, बिहार और पश्चिम बंगाल राज्यों में है। इसके साथ-साथ भारत के तटवर्ती क्षेत्रों एवम् नदियों के मुहाने वाले क्षेत्रों में इस प्रकार की मृदा पायी जाती है। इस मृदा में गन्ना, चावल, गेहूँ, मक्का एवम् तिलहन जैसी फसलें लगायी जा सकती हैं।

2 समोच्च कृषि से आप क्या समझते हैं?

पहाड़ी क्षेत्रों में समोच्च रेखीय जुताई द्वारा की जाने वाली कृषि को समोच्च कृषि कहते हैं। पहाड़ी क्षेत्रों में समोच्च जुताई द्वारा मृदा अपरदन को रोका जा सकता है।

3 पवन अपरदन वाले क्षेत्र में कृषि की कौन-सी पद्धति उपयोगी मानी जाती है?

पवन अपरदन वाले क्षेत्र में कृषि की पट्टिका कृषि पद्धति उपयोगी मानी जाती है। यह कृषि फसलों के बीच घास की पट्टियाँ विकसित करने पर आधारित है।

4 भारत के किन भागों में नदी डेल्टा का विकास हुआ है? यहाँ की मृदा की क्या विशेषता है।

भारत के पूर्वी तटवर्ती भागों में नदि डेल्टा का विकास हुआ है भारत का सबसे बड़ा नदि डेल्टा सुंदरवन का डेल्टा है। यह डेल्टा पश्चिम बंगाल राज्य में है।

यहाँ की मृदा उपजाऊ होती है। यहाँ की भूमि दलदली होती है। इस उपजाऊ मृदा एवम् दलदली वाले भागों में सुंदरीवृक्ष उगते हैं। इसलिए इसे सुंदरवन के डेल्टा के नाम से जाना जाता है।

इन डेल्टाई भागों में विभिन्न प्रकार के जीव-जन्तु वनस्पतियाँ पायी जाती हैं। यह भारत का एक प्रमुख जैवमण्डल निचय है। यहाँ जैवविविधता देखनों को मिलता है।

5. फसल चक्रण मृदा संरक्षण में किस पर सहायक है?

भूमि पर फसलों को अदल बदलकर रोपना या लगाना फसल चक्रण कहलाता है। यह मृदा संरक्षण का एक महत्वपूर्ण कारक है। इस पद्धति को अपनाने से मृदा हमेशा उपजाऊ बनी रहती है फसल चक्रण द्वारा मृदा के पोषणीय स्तर को बरकरार रखा जा सकता है। गेहूँ, कपास, मक्का, आलु आदि के लगातार उगाने से मृदा में ह्रास उत्पन्न होता है। इसे तिलहन एवम् दलहन पौधों की खेती के द्वारा पुनर्प्राप्त किया जा सकता है। इससे नाइट्रोजन का स्थिरीकरण होता है। इस प्रकार फसल चक्रण मृदा संरक्षण में सहायक है।

1. जलाक्रांतता कैसे उपस्थित होता है? मृदा अपरदन में इसकी क्या भूमिका है?

पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में अधिक सिंचाई से भूमि का निम्नीकरण हुआ है। अति सिंचन से जलाक्रांतता की समस्या पैदा होती है। जिससे मृदा में लवणीय एवम् क्षारीय गुण बढ़ जाती है। जो भूमी के निम्नीकरण के लिए उत्तरदायी होते हैं।

मृदा में जब लवणीय एवम् क्षारीय गुण बढ़ जाती है। तो मृदा अनउपजाऊ ऊसर एवम् बंजर हो जाती है। एवम् मृदा अपरदन के कार्य अधिक होने लगता है तो इस प्रकार जलाक्रांतता मृदा अपरदन में महत्वपूर्ण भूमिका है।

2. मृदा संरक्षण पर एक निबंध लिखिए।

मृदा को अपरदित होने से बचाना एवम् इसका नियोजित उपयोग मृदा संरक्षण कहलाता है। रासायन का उचित उपयोग कर मृदा का संरक्षण किया जा सकता है। रासायनों की जगह प्राकृतिक खाद्य का प्रयोग किया जाए रासायनिक उर्वरक की जगह जैविक खाद का उपयोग मृदा के संरक्षण में सहायक है।

वृक्षारोपण मृदा संरक्षण की सबसे बड़ी शर्त है। जिससे मृदा संरक्षण को बढ़ावा पहुँचती है और इनके पत्तियों से प्राप्त ह्यूमस मृदा के गुणवत्ता को बढ़ाने में सहायक होते हैं। इस प्रकार द्वारा मृदा संरक्षण का कार्य किया जाता है।

3 भारत में अत्यधिक पशुधन होने के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था में इसका योगदान लगभग नगण्य है। स्पष्ट करें।

भारत पशुधन के मामले में विश्व के अग्रणी देशों में शामिल किया जाता है। किन्तु स्थायी चारागाह के लिए बहुत कम भूमी उपलब्ध है। जो पशुधन के लिए पर्याप्त नहीं है। अतः पशुपालन पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इस प्रकार भारत में अत्यधिक पशुधन होने के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था में इसका योगदान लगभग नगण्य है।

Date 1

अभ्यास प्रश्न

ख. जल संसाधन

1. पृथ्वी क्षेत्र में जल की उपस्थिति के कारण ही पृथ्वी को कहते हैं —
(ख) नीला ग्रह

2. कुल जल का कितना प्रतिशत भाग महासागरों में निहित है?
(घ) 96.6%

3 देश के बांधों को किसने 'भारत का मंदिर' कहा था? (ग) पंडित नेहरू

4 प्राणियों के शरीर में कितना प्रतिशत जल की मात्रा निहित होती है?
(ग) 65%

5 बिहार में अति-जल-दोहन से किस तत्व का संकेन्द्रण बढ़ा है?
(ग) आर्सेनिक

लघु उत्तरीय प्रश्न

1 बहुउद्देशीय परियोजना से आप क्या समझते हैं?

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद देश को आर्थिक रूप से आत्म निर्भर बनाने देशवासियों को जीवन-स्तर को सुधारने हेतु योजनाएं निर्मित हुई जिसमें नदी घाटी परियोजनाओं पर विशेष बल दिया गया। इन परियोजनाओं के विकास के पीछे कई उद्देश्य है — बाढ़ नियंत्रण, मृदा अपरदन पर रोक, पेय एवं सिंचाई हेतु जलापूर्ति, विद्युत उत्पादन, उद्योगों के जलापूर्ति, परिवहन

(ख). जल संसाधन

मनोरंजन वन्य जीव संरक्षण, मत्स्य पालन, जलकृषि पर्यटन आदि। इन अनेक उद्देश्यों की पूर्ति हेतु इस नदी घाटी परियोजना को बहुउद्देशीय नदी घाटी परियोजना कहते हैं।

2. जल संसाधन के क्या उपयोग है? लिखें।

जल हमारे जीवन का प्रमुख आधारीय तत्व है, इसका मानव में काफी उपयोग है। यहाँ तक की जीवन सृजन में भी जल महत्वपूर्ण है। प्राणी एवं वनस्पति मे भी अधिकांश भाग जल के ही होते है। इस जल के महत्व को सहज ढंग से आंका जा सकता है। जल का उपयोग पेयजल, घरेलु कार्य सिंचाई, उद्योग, जन स्वास्थ्य, स्वच्छता तथा मल-मूत्र विसर्जन आदि कार्यों के लिए महत्वपूर्ण है। जल विद्युत निर्माण तथा परमाणु संयंत्र शीतलन, मत्स्य पालन, जलकृषि, वानिकी जल क्रीडा जैसे कार्यों की कल्पना बिना जल के नही किया जा सकता है।

3. अंतर्राज्यीय जल-विवाद के क्या कारण है?

एक नदी जल के ऊपर दो राज्य, निर्भर रहते है तो किसी एक राज्य के द्वारा उस नदी जल का अधिक से अधिक जल का उपयोग किया तथा दूसरे राज्य को कम जल का प्राप्त होना अंतर्राज्यीय जल विवाद का कारण है।

4. जल संकट क्या है?

स्वीडन के एक विशेषज्ञ फाल्कन मार्क के अनुसार प्रत्येक व्यक्ति को प्रतिदिन 1000 m³ जल की आवश्यकता है इससे कम जल उपलब्धता जल संकट कहलाता है।

5. भारत की नदियों के प्रदूषण के कारणों का वर्णन कीजिए।

भारत के नदियों के प्रदूषण के निम्न कारण है:-

(i) औद्योगिक अवशिष्ट पदार्थों का नदियों में विसर्जन

(ii) परमाणु संयंत्र शीतलन

(iii) नदियों में गर्म जल का प्रवाह

(iv) शव प्रवाह

(v) घरेलु अवशिष्ट पदार्थों का नदियों में विसर्जन

(vii) कृषि में प्रयुक्त होने वाले रसायनों एवं कीटनाशकों का छिड़काव

(viii) अम्लीय वर्षा।

1. जल संरक्षण से आप क्या समझते हैं? इसके क्या उपाय हैं?

जल ही जीवन है। यह हमारे जीवन का मुख्य आधार है। इससे हमारी विभिन्न प्रकार की आवश्यकताओं की पूर्ति होती है, जल का उचित उपयोग करना इसे बर्बाद होने से बचाना एवं इसका नियोजित उपयोग करना तथा प्रदूषित होने से बचाना जल संरक्षण कहलाता है। जल संरक्षण के निम्न उपाय हैं।

(i) भूमिगत जल की पुनः पूर्ति — इसके लिए वृक्षारोपण, जैविक तथा कम्पोस्ट खाद का प्रयोग, वेटलैंड्स का संरक्षण, वर्षा जल के संचयन एवं मल-जल शोधन पुनः चक्रण जैसे क्रियाकलाप उपयोगी होते हैं।

(ii) जल संभर प्रबंधन — जल प्रवाह या जल जमाव का उपयोग करके उद्यान, कृषि वानिकी, जल कृषि एवं कृषि उत्पादन को बढ़ाया जा सकता है। इससे पेय जलापूर्ति भी की जा सकती है। इकाइयों पर लागु करने की आवश्यकता है।

(iii) तकनीकी विकास — तकनीकी विकास से तात्पर्य ऐसे उपकरण से है जिसमें जल का कम से कम उपयोग कर अधिक से अधिक लाभ लिया जा सकता है।

जैसे — ड्रिपसिंचाई, लिफ्टसिंचाई, सूक्ष्म फुहारें से सिंचाई, सीढ़ीनुमा खेती इत्यादि

वस्तुनिष्ठ प्रश्न / objective questions

1. बड़े क्षेत्र में जल की उपस्थिति के कारण ही पृथ्वी को कहते हैं।

नीला ग्रह

2. कुल जल का कितना प्रतिशत भाग महासागरों में निहित है?

96.5%

3. देश के बांधों को किसने 'भारत का मंदिर' कहा था?

पंडित नेहरू

4. प्राणियों के शरीर में कितना प्रतिशत जल की मात्रा निहित होती है?

(ग) 65%

5. बिहार में भूमि-जल-दोहन से किस तत्व का संकेन्द्रण बढ़ा है?

आर्सेनिक

6 लक्ष्मी सागर झील किस राज्य में स्थित है?
बिहार

7 निम्न में से कौन लवणीय झील है?
सांभर

8 गंगा नदी पर गांधी सेतु किस शहर के निकट अवस्थित है?
पटना

9 कौन-सी नदी प्रायद्वीपीय भारत की सबसे लम्बी नदी है?
गोदावरी

10 कौनसी नदी भ्रंश घाटी से होकर बहती है? तापी

11 सिन्धु जल समझौता कब हुआ था?
1960

12 सांगपो किस नदी का उपनाम है?
ब्रह्मपुत्र

13 इनमें से गर्म जल का स्रोत कौन है?
ब्रह्मकुंड

14 कोसी नदी का उद्गम स्थल कहाँ है?
गोसाईथान

15 निम्नलिखित में से कौन सा वृक्ष की शाखाओं के समान अपवाह प्रतिरूप प्रणाली को दर्शाता है? द्रुमाकृतिक

16 वुलर झील निम्नलिखित में से किस राज्य में स्थित है? जम्मू - कश्मीर

17 नर्मदा नदी का उद्गम कहाँ से है?
अमरकंटक

(iii) तकनीकी विकास :- तकनीकी विकास से तात्पर्य ऐसे उपकरण से है। जिसमें जल का कम-से कम उपयोग कर अधिक-से अधिक लाभ लिया जा सकता है।

जैसे :- ड्रिपसिंचाई, लिफ्टसिंचाई सूक्ष्म फुहारों से सिंचाई सिढ़ीनुमा खेती इत्यादि।

Q.2(ब) वर्षा जल की मानव जीवन में क्या भूमिका है? इसके संग्रह व पुनः चक्रण के विधियों का उल्लेख करें।

⟹ वर्षा जल की मानव जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका है। इससे भूमिगत जल की पुनःपूर्ति होती है। भूमिगत जल का उपयोग मानव अपने दैनिक जीवन में करता है। इससे मानव की विभिन्न प्रकार की आवश्यकताओं की पूर्ति होती है। हमारा भारत एक कृषि प्रधान देश है। भारतीय कृषि मानसून के साथ जुआ है। भारतीय कृषि वर्षाजल के ऊपर निर्भर है।

जब वर्षा अनुकूल होती है तो फसलें अच्छी होती हैं। जब वर्षा कम होती है तो फसलें भी प्रभावित होती हैं। वर्षा जल प्रायद्वीपीय नदियों के मुख्य स्रोत हैं। भारत में प्रायद्वीपीय नदियों के द्वारा ही सिंचाई का कार्य ~~करता है~~ किया जाता है। इस प्रकार वर्षा जल का मानवीय जीवन में प्रमुख भूमिका है।

वर्षा जल के संग्रहण एवम् पुनः चक्रण के लिए वाटर हार्वेस्टिंग और पेंड लेक का निर्माण का प्रमुख विधि है। इसके माध्यम से वर्षा जल का संग्रहण किया जाता है एवम् पुनः चक्रण भी होते रहता है। भारत के भिन्न-भिन्न क्षेत्रों में भिन्न-भिन्न तरीकों से वर्षा जल का संग्रहण किया जाता है।

(खण्ड क) संसाधन एवं उपयोग

1. कोयला किस प्रकार का संसाधन है?
अनवीकरणीय

2. जैव ऊर्जा निम्नलिखित में से कौन-सा संसाधन है: पुनः पूर्तियोग्य

3. तट रेखा से कितने कि०मी० क्षेत्र सीमा अपवर्जक आर्थिक क्षेत्र कहलाते हैं?

4. शाखाओं 200 N.M

की अर्थव्यवस्था का संबंध है: संसाधनों के अनियोजित विदोहन से

5. समुद्री क्षेत्र में राजनैतिक सीमा के कितनी कि०मी० क्षेत्र तक राष्ट्रीय सम्पदा निहित है:
19.2 कि०मी०

6. लौह अयस्क किस प्रकार का संसाधन है:- अनवीकरण योग्य

7. ज्वारीय ऊर्जा निम्नलिखित में से किस प्रकार का संसाधन है?
पुनः पूर्ति योग्य

8. पंजाब में भूमि निम्नीकरण का निम्नलिखित में से मुख्य कारण क्या है? वनोन्मूलन

9. निम्नलिखित में से किस प्रांत में सीढ़ीदार (सोपानी) खेती की जाती है?
उत्तरांचल

10. इनमें से किस राज्य में काली मृदा पाई जाती है?
गुजरात

ग. वन एवं वन्य प्राणी संसाधन

1. भारत में 2001 में कितने प्रतिशत भौगोलिक क्षेत्र में वन का विस्तार था?

19.27%

2. वन स्थिति रिपोर्ट के अनुसार भारत में वन का विस्तार है—

20.6%

3. बिहार में कितने प्रतिशत भौगोलिक क्षेत्र में वन का फैलाव है?

7%

4. पूर्वोत्तर राज्यों के 188 आदिवासी जिलों में देश के कुल क्षेत्र का कितना प्रतिशत वन है?

60.11

5. किस राज्य में वन का सबसे अधिक विस्तार है?

मध्यप्रदेश

6. वन संरक्षण एवं संवर्धन की दृष्टि से वनों को वर्गीकृत किया गया है—

तीन

7. 1951 से 1980 तक लगभग कितना वर्ग किलोमीटर वन क्षेत्र कृषि भूमि में परिवर्तित हुआ?

26,200

8. संविधान की धारा 21 का संबंध है—

वन्य जीवों तथा प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण

9. एफ. एस. आई. ओ. की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार 1948 में विश्व में कितने हेक्टेयर भूमि पर वनों का विस्तार था।

10. प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण 1968 में कौन सा कन्वेंशन हुआ था?

अफ्रीकी कन्वेंशन

11. इनमें कौन सा जीव है जो केवल भारत ही में पाया जाता है?

घड़ियाल

12. भारत का राष्ट्रीय पक्षी है—

मयूर

13. मैंग्रोव का सबसे अधिक विस्तार है—

सुंदरवन

14. टैक्सोल का उपयोग होता है—

कैंसर में

15. चिपको आंदोलन का संबंध किस देश से था?

भारत से

1. बिहार में वन सम्पदा की वर्तमान स्थिति का वर्णन कीजिए।

बिहार विभाजन के बाद वन का विस्तार बिहार राज्य में चिंतनीय स्थिति में आ गया है।

क्योंकि वर्तमान बिहार में अधिकतम भूमि कृषि योग्य है। बिहार के कुल क्षेत्रफल के 7.1% भौगोलिक क्षेत्रफल पर वन का विस्तार है। बिहार के 38 जिलों में 7 जिलों से वन क्षेत्र समाप्त हो गया है।

2. वन विनाश के मुख्य कारकों को लिखिये।

वन विनाश के मुख्य कारक इस प्रकार है।

(i) वनों की अंधाधुंध कटाई।
(ii) कृषिगत भूमि का विस्तार
(iii) स्थानान्तरित कृषि पद्धति।
(iv) सड़क एवं रेलमार्गों का विस्तार।
(v) शहरीकरण।
(vi) औद्योगीकरण।
(vii) बढ़ती हुई अनियंत्रित जनसंख्या।
(viii) बाढ़।
(ix) दवानल।
(x) बांधों का निर्माण।

3. वन के पर्यावरणीय महत्त्व का वर्णन कीजिए।

मानव के समस्त जीवन का आधार वन है। वन हमें प्राणवायु ऑक्सीजन प्रदान करता है तथा CO_2 को ग्रहण करता है। वन पर्यावरण को संतुलित रखता है। वन वृष्टि कराने में सहायक होता है। वनों से हमें जड़ी बूटियाँ मिलती हैं। वन मृदा अपरदन को रोकता है।

4. वन्य – जीवों के ह्रास के चार प्रमुख कारकों का उल्लेख कीजिए।

वन्य जीवों के ह्रास के चार प्रमुख कारक निम्न हैं :-

i. प्राकृतिक आवासों का अतिक्रमण।
ii. प्रदूषण जनित समस्याएँ।
iii. आर्थिक लाभ।
iv. प्रजनन दर में कमी।

5. वन और वन्य जीवों के संरक्षण में सहयोगी रीति रिवाजों का उल्लेख कीजिए।

वन एवं वन्य जीव मानव जीवन के प्रमुख सहायक हैं। इनकी सुरक्षा केवल जरूरी ही नहीं बल्कि पारिस्थितिक तंत्र के निर्माण में महत्त्वपूर्ण कारक है।

कि वन एवम् वन्यजीव प्रकृति का अमूल्य धरोहर है। इनके संरक्षण में सहयोगी रीति-रिवाजों में पेड़-पौधों को लेकर वन्य जीवों तक का पूजा किया जाता है। इसे धर्म से जोड़ दिया गया है। भारत में नीति को लेकर साँप जैसे विषैले जन्तु को दूध पिलाने का प्रचलन है। तथा चिड़ियों को दाना देने का प्रचलन है। इस प्रकार वन एवम् वन्य जीवों को सहयोगी रीति-रिवाजों के द्वारा इनका संरक्षण किया जाता है।

6. चिपको आन्दोलन क्या है?

पेड़-पौधों की सुरक्षा हेतु इसके बचाव के लिए पेड़ों से चिपककर इन्हें कटने से बचाना तथा इनका संरक्षण करना चिपको आंदोलन कहलाता है। इस आंदोलन की जिम्मेदारी कोई एक व्यक्ति के नेतृत्व में होता है। निर्जीव सभी लोग मिलकर पेड़-पौधों की सुरक्षा करते हैं। और पेड़ों से चिपककर आंदोलन शुरू कर देते हैं।

7. कैंसर रोग के उपचार में वन का क्या योगदान है?

Ans कैंसर रोग के उपचार के लिए औषधीय पौधा हिमालय और चिर वनों में पाया जाता है जो हिमाचल प्रदेश और अरुणाचल प्रदेश के कई क्षेत्रों में पाया जाता है। इसके छाल, पत्तियों टहनियों और जड़ों से टैक्सोल नामक रसायन निकाला जाता है। तथा इससे कैंसर रोगों के उपचार के लिए प्रयोग किया जाता है तो इस प्रकार कैंसर रोग के उपचार में वन का महत्वपूर्ण योगदान है।

8. ~~कैंसर रोग के उपचार में वन~~ का लुप्त होने वाले पशु-पक्षियों का नाम लिखिए।

लुप्त होने वाले पशु-पक्षियों का नाम इस प्रकार है।
(i) कस्तूरा (ii) चिनल (iii) भेड़िया (iv) अनुपमगाय (v) नीलगाय (vi) पारहसिंघा (vii) चितकारा (viii) काला हिरण (ix) गोडावण (x) गोरिया, तितर

(xi) लमनपण्डा, (xii) बुधेतबारस्य (xiii) पखार (xiv) गिद्ध (xv) चील

9. वन्य – जीवों के ह्रास में प्रदूषण जनित समस्याओं पर अपना विचार स्पष्ट कीजिए।

वन्य – जीवों के ह्रास में प्रदूषण जनित समस्या ने कई समस्याओं को जन्म दिया है। इसमें वन्य जीवों की संख्या में कमी के प्रमुख कारण पशु पेंगनी, विरुषी, अम्लीय वर्षा और हरित ग्रीह प्रभाव है। इसके अलावे वायु, जल, एवम् मृदा प्रदूषण के कारण वन एवम् वन्य जीवों का जीवन चक्र गंभीर रूप से प्रभावित हो रहा है। जीवन चक्र को पूरा किए बिना नये पौधे या जन्तु का जन्म ही नहीं हो सकता।

10. भारत के दो प्रमुख जैवमंडल क्षेत्र का नाम क्षेत्रफल एवं राज्यों का बताएं।

भारत के दो प्रमुख जैवमंडल क्षेत्र का नाम, क्षेत्रफल एवम् राज्यों का नाम इस प्रकार है — (i) सुन्दरवन :- इसका क्षेत्रफल 9,630 वर्ग km है। यह पश्चिम बंगाल राज्य में पड़ता है।

सिमलीपाल जैवमंडल :- 4374 वर्ग km यह ओड़ीसा राज्य में है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. वन एवं वन्य जीवों के महत्व का विस्तार से वर्णन कीजिए।

वन एवम् वन्य जीव मानव जीवन के प्रमुख हमसफर हैं। वन पृथ्वी के लिए सुरक्षा कवच जैसा है। यह केवल एक संसाधन ही नहीं बल्कि पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण में महत्वपूर्ण घटक हैं। हमारा इससे अटूट संबंध है। वन प्रकृति का एक अमूल्य उपहार है। सृष्टि के आरम्भ से ही मानव इसके आँचल में पोसते पलते आ रहा है। वन एवम् वन्य जीव मानव के लिए पारि- स्थिति अस्थापित होने वाला संसाधन है यह जैव मंडल में सभी जीवों को संतुलित स्थिति में जीने के लिए आवश्यक संतुलित परिस्थिति तंत्र के निर्माण में आवश्यक योगदान देता है क्योंकि सभी

जीवों के लिए खाद्य ऊर्जा का प्रारंभिक स्रोत वनस्पति ही है। भारत में वन संसाधन एक महत्वपूर्ण संसाधन है। यहाँ के लोग आरम्भ से वन प्रिय रहे हैं जिसके प्रमाण धर्म, धार्मिक ग्रंथों तथा लोककथाओं में मिलता है। इस प्रकार वन एवं वन्य जीवों का बहुत बड़ा महत्व है। हमें वन और वन्य जीव संसाधनों को संरक्षण देना चाहिए।

Q.2) वृक्षों के घनत्व के आधार पर वनों का वर्गीकरण कीजिए और सभी वर्गों का वर्णन विस्तार से कीजिए

वृक्षों के घनत्व के आधार पर वनों को पाँच वर्गों में वर्गीकृत किया गया है:-

(i) अत्यंत सघन वन → भारत में इस प्रकार के वन का विस्तार 54.6 लाख हेक्टेयर भूमि पर है जो कुल भौगोलिक क्षेत्र का 1.66% है। इसके अन्तर्गत असम और सिक्किम को छोड़कर सभी पूर्वोत्तर राज्य आते हैं।

(ii) सघन वन → इसके अन्तर्गत 73.60 लाख हेक्टेयर भूमि आते हैं, जो कुल भौगोलिक क्षेत्र का 3% है। इस प्रकार के वनों का विस्तार हिमाचल प्रदेश, सिक्किम, मध्यप्रदेश, जम्मू-कश्मीर, महाराष्ट्र एवं उत्तराखंड के पहाड़ी क्षेत्रों में है

(iii) खुले वन → इस वर्ग के वनों का विस्तार 2.59 करोड़ भूमि पर है। यह कुल भौगोलिक क्षेत्र का 7.12% है। इस प्रकार के वन कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल, आंध्रप्रदेश, उड़ीसा आदि राज्यों में है।

(iv) झाड़िया एवं अन्य वन → इस प्रकार के वन राजस्थान का मरुस्थलीय क्षेत्र एवं शुष्क क्षेत्रों में पाए जाते हैं। इसके अन्तर्गत 2.459 करोड़ हेक्टेयर भूमि आते हैं। जो कुल भौगोलिक क्षेत्र का 8.68% है। इस प्रकार के वन पंजाब, हरियाणा, उत्तरप्रदेश, बिहार, एवं पश्चिम बंगाल के मैदानी भागों

में पाये जाते है।

(V) मैंग्रोव वन → भारत के तटवर्ती क्षेत्रों में पाए जाने वाले को मैंग्रोव वन कहते है। देश के कुल भौगोलिक क्षेत्र का मात्र 0.14% क्षेत्र में मैंग्रोव वन का विस्तार है।

3. जैव विविधता क्या है? यह मानव के लिए क्यों महत्वपूर्ण है? विस्तार से लिखिए।

जीवों में पाए जानेवाली विभिन्नता को जैवविविधता कहते है। देश के भिन्न-भिन्न क्षेत्रों में भिन्न-भिन्न प्रकार के जीव-जन्तु पाए जाते है। जैविक उद्यान जैव विविधता का प्रमुख उदाहरण है जैविक उद्यानों में एक ही क्षेत्र में कई प्रकार के जीव-जन्तुओं एवं वनस्पतियों को देखा जाता है जैविक उद्यानों में बाघ, शेर, हाथी, भालू, मोर एवम् विभिन्न प्रकार के जीव-जन्तु पाए जाते है। इसके साथ भिन्न-भिन्न प्रकार की वनस्पतियां भी पायी जाती है जो विविधता को सिद्ध करता है। इन भिन्न-भिन्न प्रकार के जीवों एवं वनस्पतियों से मानव की भिन्न-भिन्न प्रकार की आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु है। इस प्रकार जैव विविधता मानव के लिए महत्वपूर्ण है।

4. विस्तार पूर्वक बताएँ कि मानव-क्रियाएँ किस प्रकार प्राकृतिक वनस्पति और प्राणीजात के ह्रास के कारक है।

मानव क्रियाएँ प्रकृति वनस्पति और प्राणीजात के ह्रास के प्रमुख कारण हैं मानव अपनी आवश्यकताओं के पूर्ति हेतु विभिन्न प्रकार के क्रियाकलापों के द्वारा प्रकृति संसाधनों का दोहन करता है प्रकृति संसाधनों में प्रकृति वनस्पतियों का महत्वपूर्ण योगदान है। प्राकृतिक वनस्पति पर्यावरण को संतुलित रखता है। यह मानवीय जीवन का एक प्रमुख आधार के रूप में है। मानव प्राकृतिक वनस्पतियों को हटाकर कब खेती-बारी शुरू करता है। वनों के

परिवर्तन बनाने हेतु जंगलों को काटना शुरू करता है। सड़कें एवम् रेलमार्गों का विकास करता है। शहरी करण एवं औद्योगिक करण जैसे क्रियाओं को करता है तो इसका प्रभाव प्राकृतिक वन्य प्राणियों पर पड़ता है तो इस प्रकार मानवीय क्रियाएं प्राकृतिक वनस्पति और प्राणिजात के ह्रास के कारक हैं।

5. भारतीय जैवमंडल क्षेत्रों की चर्चा विस्तार से कीजिए।

जैवमण्डल वह क्षेत्र है जहाँ प्राथमिकता के आधार पर जैवविविधता के संरक्षण के कार्यक्रम चलाए जाते हैं। इन क्षेत्रों में जैवविविधता के आनुवंशिकी विविधता के रूप में संरक्षित कार्यक्रम चलाया जाता है। विश्व के 65 देशों में लगभग 243 सुरक्षित जैवमण्डल क्षेत्र हैं भारत में इसकी संख्या 14 हैं।

भारत के जैवमण्डलों में नीलगिरी, नन्दा देवी, नोकरेक मानस, सुन्दरवन, मन्नार की खाड़ी, ग्रेट निकोबार, सिमली पाल, डिब्रू-साइकोवा, दिहांग देबांग, कंचनजंघा, पंचमढ़ी, अगस्त्यमलाई, अचानकमार, अमरकंटक इत्यादि प्रमुख हैं।

घ (खनिज संसाधन)

1. भारत में लगभग कितने खनिज पाये जाते है गये हैं? 100
2. इन में से कौन लौह युक्त खनिज का उदाहरण है? (क) मैंगनीज
3. निम्नलिखित में कौन एक अधात्विक खनिज का उदाहरण है? (ग) अभ्रक
4. किस खनिज को उद्योगों की जननी माना गया है? (ग) लौह
5. कौन लौह अयस्क का एक प्रकार है? (ख) हेमाटाइट
6. कौन भारत का सबसे बड़ा लौह उत्पादक राज्य है? (क) कर्नाटक

(घ) खनिज संसाधन

(क) कर्नाटक

7 छत्तीसगढ़ भारत का कितना प्रतिशत लौह अयस्क उत्पादन करता है। (ख) 20

8 मैंगनीज उत्पादन में भारत का विश्व में क्या स्थान है?
(ग) तृतीय

9 एक टन इस्पात बनाने में कितने मैंगनीज का उपयोग होता है?
(ख) 10 कि० ग्रा०

10 उड़ीसा किस खनिज का सबसे बड़ा उत्पादक है?
(ख) मैंगनीज

11 अल्युमिनियम बनाने के लिए किस खनिज की आवश्यकता पड़ती है?
(घ) बॉक्साइट

12 देश में अभ्रक का कुल भण्डार कितना है।
(ख) 125 करोड़ टन

13 बिहार झारखण्ड में देश का कितना प्रतिशत अभ्रक उत्पादन होता है?
(क) 80

14 सीमेंट उद्योग का सबसे कच्चा माल क्या है?
(क) चूना पत्थर

1 खनिज क्या है?
प्रकृति में पाये जाने वाले वैसे पदार्थ जिसका अपना रासायनिक एवम् भौतिक गुण होता है खनिज कहलाते हैं। खनिज आधुनिक सभ्यता एवम् संस्कृति के आधार स्तंभ है।

2 धात्विक खनिज के दो प्रमुख पहचान क्या है?
धात्विक खनिज को गलाने पर धातु प्राप्त होता है। ये कठोर एवम् चमकीले होते हैं।

3 खनिज की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए
खनिजों का वितरण असमान होता है अधिक गुणवत्ता वाले खनिज कम तथा कम गुणवत्ता वाले खनिज अधिक मात्रा में पाए जाते हैं। खनिज समाप्य संसाधन है एक बार उपयोग करने के बाद पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता है यही इसकी मुख्य विशेषता है।

4 लौह अयस्क के प्रकारों के नाम लिखिए
लौह अयस्क के तीन प्रकार हैं।
(i) हेमेटाइट (ii) मैग्नेटाइट

(iii) लिमोनाइट

5. लोहे के प्रमुख उत्पादक राज्यों के नाम लिखिए।
लोहे के प्रमुख उत्पादक राज्य कर्नाटक छत्तीसगढ़ उड़ीसा, गोवा, एवम् झारखण्ड है। झारखण्ड के मुख्य लौह उत्पादक जिलों के नाम लिखिए।

6. झारखण्ड के पूर्वी एवम् पश्चिमी सिंहभूम, सरायकेला पलामू, हजारीबाग लोहरदगा तथा रांची मुख्य उत्पादक जिले हैं।

7. मैंगनीज के उपयोग पर प्रकाश डालिए।
मैंगनीज का उपयोग जंगरोधी इस्पात बनाने मिश्रधातु बनाने, सूखा सेल का निर्माण, फोटोग्राफी चमड़ा एवम् माचिस उद्योग, पेंट, तथा कीटनाशक दवाओं के बनाने में किया जाता है।

8. अल्युमिनियम के उपयोग का उल्लेख कीजिए।
अल्युमिनियम का बहुमुखी उपयोग वायुयान निर्माण, विद्युत उपकरण निर्माण घरेलू सज्ज-सज्जा के सामानों का निर्माण, बर्तन बनाने, सफेद सिमेंट तथा रासायनिक वस्तुएँ बनाने में किया जाता है।

9. अभ्रक का उपयोग क्या है?
अभ्रक का उपयोग आयुर्वेदिक दवाओं को बनाने में विद्युत उपकरण उद्योग लैम्प लालटेन के चिमनीयों का निर्माण इत्यादि में किया जाता है।

10. चूना - पत्थर की क्या उपयोगिता है?
चूना - पत्थर का उपयोग का सीमेंट उद्योग, लौह इस्पात उद्योग, रासायन उद्योग उर्वरक कागज एवम् कागज चीनी उद्योग में किया जाता है।

12. खनिजों के संरक्षण एवं प्रबंधन से क्या समझते हैं?
खनिज क्षयशील एवम् अनवीकरणीय संसाधन हैं। इनकी मात्रा सीमित है। इनका पुनः निर्माण असंभव है। खनिज उद्योगों का आधार हैं। किन्तु औद्योगिक विकास के लिए खनिजों

का अधिक से अधिक दोहन एवम् उपयोग इसके अस्तित्व के लिए संकट है अतः खनिजों का संरक्षण एवम् संवर्धन आवश्यक है। खनिजों का विवेकपूर्ण उपयोग करना इसे बर्बाद होने से बचाना इसका नियोजित उपयोग करना उचित उपयोग करना खनिज के संरक्षण एवम् संवर्धन कहलाता है।

दीर्घ उत्तरीय

खनिज कितने प्रकार के होते हैं? प्रत्येक का उदाहरण परिचय दीजिये।

खनिज दो प्रकार के होते हैं।

1) धात्विक खनिज:- जिन खनिजों से धातु प्राप्त होता है। धात्विक खनिज कहलाता है। जैसे:- लौह अयस्क, ताँबा, निकेल, मैंगनीज आदि।

धात्विक खनिज दो प्रकार के होते हैं।

(1) लौहयुक्त खनिज:- जिन धात्विक खनिजों में लोहे का अंश अधिक पाया जाता है वे लौह युक्त खनिज कहलाते हैं। जैसे:- लौह अयस्क, मैंगनीज निकेल, टंगस्टन

अलौहयुक्त खनिज:- जिन धात्विक खनिजों में लोहे का अंश कम या नहीं होता है वे अलौहयुक्त खनिज कहलाते हैं। जैसे:- सोना, चाँदी, सीसा, जस्ता, टीन, ताँबा, बॉक्साइट, जस्ता आदि।

2) अधात्विक खनिज:- जिन खनिजों में धातु नहीं होते हैं। अधात्विक खनिज कहलाते हैं। जैसे:- चुना-पत्थर, डोलोमाइट अभ्रक, जिप्सम आदि।

अधात्विक खनिज दो प्रकार के होते हैं।

1) कार्बनिक खनिज:- जिन खनिजों में जीवाश्म होते हैं कार्बनिक

खनिज कहलाते हैं। ये पृथ्वी में प्राणी एवम पादप जीवों के परिवर्तित होने से बनते हैं।
जैसे — कोयला, पेट्रोलियम आदि।

(ii) अकार्बनिक खनिज — जिन खनिजों में जीवाश्म नहीं होते हैं। अकार्बनिक खनिज कहलाते हैं।
जैसे — अभ्रक, ग्रेफाइट आदि

2/ धात्विक एवं अधात्विक खनिजों में क्या अंतर है, तुलना कीजिये।

धात्विक खनिज — धात्विक खनिज को गलाने पर धातु प्राप्त होते हैं ये कठोर एवम् चमकीले होते हैं। ये प्रायः आग्नेय चट्टानों में मिलते हैं। इन्हें पीटकर तार बनाया जा सकता है। ये पीटने पर टूटता नहीं है।

(ii) अधात्विक खनिज — अधात्विक खनिज को गलाने पर धातु प्राप्त नहीं हो सकता इनकी अपनी चमक होती हैं ये प्रायः परतदार चट्टानों में मिलते हैं। इन्हे पीटकर तार नहीं बनाया जा सकता है। ये पीटने पर चुर चुर हो जाते हैं।

3/ भारत की खनिज पेटियों का नाम लिखकर किन्ही दो का वर्णन कीजिये।

भारत में तीन खनिज पेटियाँ पायी जाती हैं।
(i) उत्तरी पूर्वी पठार — यह देश की सबसे धनी खनिज पेटी है। जिसमें छोटानागपुर का पठार, उड़ीसा का पठार, छत्तीसगढ़ का पठार तथा पूर्वी आन्ध्रप्रदेश का पठार अवस्थित है। इस पेटि में लौह अयस्क, मैंगनीज अभ्रक, बॉक्साइट, चुना-पत्थर डोलोमाइट, तांबा, थोरियम, युरेनियम, क्रोमियम, सिलिमेनाइट तथा फास्फेट के विशाल भंडार है

(ii) दक्षिण पश्चिम पठार — यह देश के दूसरा प्रमुख खनिज पेटि है। जो

कर्नाटक के पठार प्रथम
निकटवर्ती तमिलनाडु के
पठार पर फैली हुई है।
यहाँ लौह अयस्क, मैंगनीज
बॉक्साइट आदि भारी
मात्रा में पाए जाते हैं।

(iii) उत्तर पश्चिम प्रदेश — यह
पेटि का विस्तार खंभात
की खाड़ी से लेकर अरावली
के श्रेणीयों तक है। यहाँ
अनेक अलौह धातुएँ जैसे
चाँदी, सीसा, जस्ता, ताँबा
आदि भी मिलते हैं बालु-
पत्थर, ग्रेनाइट, संगमरमर,
जिप्सम, मुलतानी मिट्टी,
डोलोमाइट, चूना-पत्थर
नमक आदि के भी पर्याप्त
भण्डार हैं।

प्रश्न-4 लौह अयस्क का वर्गीकरण कर
उनकी विशेषताओं को लिखिये।

लौह अयस्क तीन प्रकार
के होते हैं।

1) हेमाटाइट — यह उच्च
कोटि का लौह अयस्क
है। इसमें लौह का
अंश 68% या इससे अधिक
होता है। इसका रंग लाल
होता है। इसलिए इसे लाल
अयस्क के नाम से जाना
जाता है। भारत में इसका
कुल भण्डार 1231.7 करोड़
टन है।

ii) मैग्नेटाइट — यह भी
उच्च कोटि का ही लौह
अयस्क है। इसमें लौहांश
की मात्रा 60% या इससे
अधिक होता है। इसका रंग
काला होता है इसलिए इसे
काला अयस्क कहते हैं। भारत
में इसका कुल अनुमानित भण्डार
54 करोड़ टन है।

(iii) लिमोनाइट — यह ~~निम्न~~
मध्यम कोटि का लौह अयस्क है।
इसमें लौहांश की मात्रा 40%
या इससे अधिक होता
है। इसका रंग पीला होता
है इसलिए इसे पीला अयस्क
कहते हैं। भारत में इसके
कुल भण्डार का पता नहीं
है यह परीक्षणाधीन है।

5. भारत में लौह अयस्क के वितरण पर प्रकाश डालिये।

भारत में लौह अयस्क प्रायः सभी राज्यों में पाया जाता है परंतु यहाँ के कुल भण्डार का 96% कर्नाटक, छत्तीसगढ़, उड़ीसा, गोवा, झारखण्ड राज्यों में सीमित हैं। कर्नाटक राज्य भारत का लगभग $\frac{1}{4}$ लोहा उत्पादन करता है यहाँ बेलारी, होसपेट, संदूर आदि में लोह अयस्क की खाने हैं छत्तीसगढ़ देश का दूसरा लौह अयस्क उत्पादक राज्य है। जो देश का लगभग 20% लोहा उत्पादन करता है। उड़ीसा देश का 19% लोहा उत्पादन करता है। यहाँ की प्रमुख खाने मुरुमहिसानी, बादाम पहाड़, किरिबुरु हैं। गोवा देश का चौथा बड़ा लोहा उत्पादक राज्य है यहाँ देश का 16% लोहा उत्पादन होता है। गोवा के मरमागोव पत्तन से लोहा का निर्यात किया जाता है। झारखण्ड देश का पाँचवा बड़ा लौह अयस्क उत्पादक राज्य है। और 15% से अधिक लोहे का उत्पादन करता है। इसके अलावे महाराष्ट्र आंध्रप्रदेश और तमिलनाडु से भी लोहा प्राप्त होता है।

6. मैंगनीज अथवा बाक्साइट की उपयोगिता तथा देश में इनके वितरण का वर्णन कीजिये।

मैंगनीज — भारत में मैंगनीज के उत्पादन में भारत का विश्व में तीसरा स्थान है। यहाँ मैंगनीज का संचित भण्डार 1670 लाख टन है। भारत में मैंगनीज उत्पादन के प्रमुख क्षेत्र उड़ीसा महाराष्ट्र, कर्नाटक एवम् आंध्रप्रदेश हैं। उड़ीसा भारत में मैंगनीज के उत्पादन में अग्रणी है। यहाँ देश के कुल उत्पादन का 37% मैंगनीज उत्पादन होता है। महाराष्ट्र देश के कुल

उत्पादन का लगभग है
मैगनीज उत्पादन करती है।
मध्यप्रदेश 9% मैंगनीज
पैदा कर देश का तीसरा
बड़ा उत्पादक राज्य है।
इसके अलावे कर्नाटक और
आन्ध्रप्रदेश में भी मैंगनीज
का उत्पादन होता है।

बॉक्साइड — बॉक्साइड एक
अलौह धातु निक्षेप है। जिससे
एल्युमिनियम नामक धातु
निकाली जाती है। भारत
में बॉक्साइड का इतना
भण्डार है कि एल्युमिनियम
में हम आत्मनिर्भर हो सकते
हैं। इसका बहुमुखी उपयोग
वायुयान निर्माण, विद्युत
उपकरण निर्माण घरेलु साज
— सज्जा के सामानों का निर्माण
बर्तन बनाने सफेद सीमेंट
तथा रासायनिक वस्तुएँ
बनाने में किया जाता है।

बॉक्साइड भारत
के अनेक क्षेत्रों में मिलता
है। किन्तु मुख्य रूप से

इसका भण्डार उड़ीसा
गुजरात, झारखण्ड, महाराष्ट्र
छत्तीसगढ़, कर्नाटक, तमिलनाडु
एवम् उत्तरप्रदेश में अवस्थित
है। देश का आधा से
अधिक बॉक्साइड का भण्डार
उड़िसा राज्य में है। यह
भारत के कुल उत्पादन
का 42% बॉक्साइड उत्पादन
करता है। गुजरात भारत
का 17.35% बॉक्साइड
उत्पादन करके दूसरे स्थान
पर है झारखण्ड बॉक्साइड
के उत्पादन में तीसरा स्थान
रखता है तथा देश का
14% बॉक्साइड उत्पादन
करता है। महाराष्ट्र 12%
बॉक्साइड उत्पादन करता है।
छत्तीसगढ़ 6% से अधिक
बॉक्साइड का उत्पादन
करता है। अन्य उत्पादक
राज्यों में कर्नाटक, तमिलनाडु
उत्तरप्रदेश, और जम्मू और
काश्मीर में बॉक्साइड का
उत्पादन होता है।

7. अभ्रक की उपयोगिता तथा वितरण पर प्रकाश डालिये।

भारत में उत्पादन की दृष्टि से अभ्रक निक्षेप की तीन पेटियाँ है जो बिहार झारखण्ड, आंध्रप्रदेश तथा राजस्थान राज्यों के अंतरगत आती है। बिहार झारखण्ड में उत्तमकोटि के रूबी अभ्रक का उत्पादन होता है। पश्चिम में गया जिले से हजारीबाग मुंगेर होते हुए पूर्व में भागलपुर तक फैला हुआ है। इसके अलावे धनबाद, पलामू रांची एवम सिंहभूम जिलों में भी अभ्रक के भण्डार मिले है बिहार झारखंड भारत का 80% अभ्रक का उत्पादन करता है। आंध्रप्रदेश के नेलौर जिले में अभ्रक का उत्पादन होता है। राजस्थान देश का तीसरा अभ्रक उत्पादक राज्य है। यहाँ जयपुर, भिलवाड़ा, अजमेर आदि जिलों में अभ्रक की पेटी पायी हुई है।

संयुक्त राज्य अमेरिका भारतीय अभ्रक का मुख्य आयातक है।

(5.) शक्ति (ऊर्जा) संसाधन

1. किस राज्य में खनिज तेल का विशाल भंडार स्थित है?
   असम

2. भारत के किस स्थान पर पहला परमाणु ऊर्जा केन्द्र स्थापित किया गया था?
   तारापुर

3. कौन सा ऊर्जा स्रोत अनवीकरणीय है? कोयला

4. प्राथमिक ऊर्जा का उदाहरण नहीं है। विद्युत

5. ऊर्जा का गैर पारम्परिक स्रोत है। सौर ऊर्जा

6. गोंडवाना क्रम्ह से कोयले का निर्माण हुआ था। 20 करोड़ वर्ष पूर्व

7. भारत में कोयले का सर्वप्रमुख उत्पादक राज्य है।
   झारखण्ड

8 सर्वोत्तम कोयले का प्रकार कौन सा है?
एन्थ्रासाइट

9 मुम्बई हाई क्यों प्रसिद्ध है?
खनिज तेल हेतु

10 भारत का प्रथम तेल कारखाना (शोधक) कहाँ स्थित है?
डिगबोई

11 प्राकृतिक गैस किस खनिज के साथ पाया जाता है?
पेट्रोलियम

12 भाखड़ा नांगल परियोजना किस नदी पर अवस्थित है?
सतलज

13 दक्षिण भारत की सबसे बड़ी नदी घाटी परियोजना है।
तुंगभद्रा

14 ताप विद्युत केन्द्रक का उदाहरण है:-
बोकेनी

15 यूरेनियम का प्रमुख उत्पादक स्थल है?
जादूगोड़ा

16 एशिया का सबसे बड़ा परमाणु विद्युत गृह है:
तारापुर

17 भारत के किस राज्य में सौर ऊर्जा के विकास की सर्वाधिक सम्भावनाएँ

5 शक्ति (ऊर्जा) संसाधन

उपलब्ध हैं। राजस्थान

18 ज्वारीय एवं तरंग ऊर्जा उत्पादन हेतु भारत के अधिक अनुकूल परिस्थितियाँ कहाँ पाती हैं?
खंभात की खाड़ी
लघु उत्तरीय प्रश्न

1 पारम्परिक एवं गैर पारम्परिक ऊर्जा स्रोतों के तीन-तीन उदाहरण लिखिये।
पारम्परिक ऊर्जा स्रोत - कोयला, पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस इत्यादि।
गैर पारम्परिक ऊर्जा स्रोत → सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, भूतापीय ऊर्जा

2 गोण्डवाना समूह के कोयला क्षेत्रों के नाम लिखिये।
गोण्डवाना कोयला क्षेत्र मुख्यत: चार नदी घाटियों में पाए जाते हैं।
i) दामोदर नदी घाटी
ii) सोन नदी घाटी
iii) महानदी घाटी
iv) वर्धा गोदावरी नदी घाटी
इन सभी नदी घाटियों के

अंतर्गत भारत के झारखण्ड छत्तीसगढ़, उड़ीसा, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश तथा पश्चिम बंगाल राज्य आते हैं।

Q3. झारखंड राज्य के मुख्य कोयला उत्पादक क्षेत्रों के नाम लिखिये/अंकित कीजिये।

झारखण्ड के राज्य के मुख्य कोयला उत्पादक क्षेत्र झरिया, बोकारो, गिरिडिह, करणपुरा, रामगढ़ इत्यादि प्रमुख हैं।

4. कोयले के विभिन्न प्रकारों के नाम लिखिए।

कोयले के विभिन्न प्रकारों के नाम इस प्रकार हैं।

i) एंथ्रासाइट
ii) बिटुमिनस
iii) लिग्नाइट
iv) पीट

5. पेट्रोलियम से किन-किन वस्तुओं का निर्माण होता है?

पेट्रोलियम से विभिन्न प्रकार के वस्तुएँ जैसे - गैसों लिक्विड, डीजल, पेट्रोल, किरासन तेल, स्नेहक, कीटनाशक दवाओं, साबुन, कृत्रिम रेशा, प्लास्टिक आदि बनाए जाते हैं। प्लास्टिक आदि वस्तुओं का निर्माण होता है।

6. सागर सम्राट क्या है?

सागर सम्राट में लोहे के बने मचान था एक जलयान के रूप में होता है। इसके माध्यम से समुद्रों में तेल के कुएँ खोदने का कार्य किया जाता है तो इसे सागर सम्राट कहते हैं।

7. किन्हीं चार तेल शोधक कारखानों का स्थान निर्दिष्ट कीजिये।

डिग्बोई, नहरकटिया, बरौनी, अंकलेश्वर।

8. जल विद्युत उत्पादन के कौन-कौन से मुख्य कारक हैं?

जलविद्युत उत्पादन के लिए सदावाहिनी नदी में प्रचुर जल की राशि नदि मार्ग में ढाल जल का तीव्र वेग प्राकृतिक जलप्रपात का होना इत्यादि मुख्य कारक हैं।

9. नदी घाटी परियोजनाओं को बहुउद्देशीय क्यों कहा जाता है?

नदियों पर बाँध बनाकर ऐसा उपाय करना जिससे सिंचाई के साथ बिजली उत्पादन करना बाढ़ की रोक-थाम करना मृदा अपरदन को रोकना, मछली पालन, नहर के निर्माण द्वारा यातायात को सुविधा बढ़ाना पर्यटन उद्योग हेतु रमणीक के स्थानों का निर्माण करना आदि करना अनेक लाभ एक ही समय साथ-साथ लिये जा सके तो ऐसी परियोजना बहुद्देशीय परियोजना या बहुमुखी / बहुधंधी परियोजना कहलाती है।

10. निम्नलिखित नदी घाटी परियोजनाएं किन-किन राज्यों में अवस्थित है- हीराकुंड, तुंगभद्रा, रिहन्द।

हीराकुण्ड -> उड़ीसा
तुंगभद्रा -> कर्नाटक
रिहन्द -> उत्तरप्रदेश

11. ताप शक्ति क्यों समाप्य संसाधन है?

ताप शक्ति संयंत्रों में तापीय विद्युत का उत्पादन करने के लिए अनवीकरणीय खनिज संसाधन जैसे - कोयला पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस का उपयोग होता है इसलिए ताप शक्ति समाप्य संसाधन है।

12. परमाणु शक्ति किन-किन खनिजों से प्राप्त होता है?

परमाणु शक्ति इल्मेनाइट, वैनडाइम, एंटीमनी, ग्रेफाइट, यूरेनियम, मोनाजाइट आदि खनिजों से प्राप्त होता है।

13. मोनाजाइट भारत में कहाँ-कहाँ उपलब्ध है?

मोनाजाइट भारत में केरल तमिलनाडु, आंध्रप्रदेश, एवम् उड़ीसा में पाया जाता है। केरल राज्य में मोनाजाइट प्रचुरता से पाया जाता है।

14. सौर ऊर्जा का उत्पादन कैसे होता है?

सौर ऊर्जा का उत्पादन सूर्य की किरणों को ऊर्जा में परिवर्तित

करने में होता है।

15. भारत के किन-किन क्षेत्रों में पवन ऊर्जा के लिए अनुकूल परिस्थितियाँ हैं?
भारत के तमिलनाडु, राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र तथा कर्नाटक आदि क्षेत्रों में पवन ऊर्जा के लिए अनुकूल परिस्थितियाँ विद्यमान हैं।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. शक्ति संसाधनों का वर्गीकरण विभिन्न आधारों के अनुसार स्पष्टीकरण प्राप्त कीजिए।
शक्ति संसाधन का वर्गीकरण विभिन्न आधारों के अनुसार स्पष्टीकरण इस प्रकार है।

(क) उपयोग स्तर के आधार
i.) सतत शक्ति संसाधन — सौर ऊर्जा, भूमिगत ऊर्जा, पवन ऊर्जा, प्रवाहित जल आदि।
ii.) समापनीय शक्ति संसाधन — कोयला, पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस एवम् आणविक खनिज

(ख) उपयोगिता के आधार पर
i.) प्राथमिक ऊर्जा — कोयला, पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस तथा रेडियोधर्मी खनिज आदि
ii.) गौण ऊर्जा — विद्युत

(ग) स्रोत की स्थिति के आधार पर
i.) क्षयशील शक्ति संसाधन — कोयला, पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस, आणविक खनिज आदि।
ii.) अक्षयशील शक्ति संसाधन — प्रवाहित जल, पवन, लहरें, सौरशक्ति आदि।

(घ) संरचनात्मक गुणों के आधार पर
i.) जैविक ऊर्जा स्रोत — मानव एवम् प्राणी शक्ति आदि।
ii.) अजैविक ऊर्जा स्रोत — जल शक्ति, पवन शक्ति और शक्ति।

खनिज ऊर्जा शक्ति आदि।

समय के आधार पर

i) पारम्परिक शक्ति संसाधन :–
प्राकृतिक गैस, कोयला
पेट्रोलियम गैस

ii) गैर पारम्परिक शक्ति संसाधन :–
सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा
भूतापिय ऊर्जा आदि।
ज्वारिय ऊर्जा, तरंग ऊर्जा

2) गोण्डवाना समूह के कोयला क्षेत्रों के नाम लिखिये।

भारत में पारम्परिक स्रोत के अंतर्गत आनेवाले शक्ति संसाधनों में कोयला, पेट्रोलियम एवम् प्राकृतिक गैस मुख्य-मुख्य है। कोयला शक्ति संसाधनों में ऊर्जा महत्वपूर्ण स्रोत है। इसका उपयोग खाने बनाने से लेकर विद्युत उत्पादन एवम् वृहत स्तर के उद्योगों में किया जाता है। भूगर्भी दृष्टि से भारत के समस्त कोयला भण्डार को गोण्डवाना एवम् दो समूहों में बाँटा गया है। इन दोनों समूहों में गोण्डवाना समूह के कोयला का सबसे अधिक उपयोग है।

पेट्रोलियम शक्ति के समस्त साधनों में सर्वाधिक महत्वपूर्ण एवं व्यापक रूप से उपयोगी संसाधन है। इस आधुनिक युग में कोई भी राष्ट्र इसके बिना अपने अस्तित्व को कायम नहीं रख सकते। पेट्रोलियम शक्ति के स्रोत के साथ-साथ अनेक उपयोगों का कच्चा-माल भी है।

प्राकृतिक गैस हमारे वर्तमान जीवन में बड़ी तेजी से एक महत्वपूर्ण ईंधन बनता जा रहा है। इसका उपयोग विभिन्न उद्योगों की मशीन को चलाने में, विद्युत उत्पादन में, खाने पकाने में तथा मोटरगाड़ीयों के चलाने में किया जा रहा है।

3. गोंडवाना काल के कोयले का भारत में वितरण पर प्रकाश डालिये।

गोंडवाना काल के कोयले का भारत में वितरण इस प्रकार है–

(i) झारखण्ड :– कोयले के भंडार एवम् उत्पादन के दृष्टि से झारखण्ड का देश में पहला स्थान है। यहाँ देश का 37% से अधिक कोयला का सुरक्षित भण्डार है तथा उत्पादन 23% से अधिक है। झरिया, बोकारो, गिरीडीह, कर्णपुरा, रामगढ़, इस राज्य के प्रमुख उत्पादन क्षेत्र हैं।

(ii) छत्तीसगढ़ — सुरक्षित भंडार की दृष्टि से इस राज्य का स्थान तीसरा

(iii) उड़ीसा :– उड़ीसा में देश का $\frac{1}{4}$ कोयले का भंडार है पर उत्पादन मात्र 14.6% ही होता है।

(iv) महाराष्ट्र :– यहाँ भारत का 3% कोयला सुरक्षित है पर उत्पादन देश का 9% से भी अधिक होता है। यहाँ का अधिकतर कोयला चांदावर्धा, कांपटी तथा बंदेर

(v) मध्यप्रदेश :– यहाँ देश का मात्र 7% कोयले का भंडार है। क्योंकि अधिकांश कोयला क्षेत्र छत्तीसगढ़ में चला गया।

(vi) पश्चिम बंगाल :– यह राज्य कोयले की सुरक्षित भंडार की दृष्टि से देश का चौथा एवं उत्पादन में 7वाँ स्थान रखता है। यहाँ का महत्वपूर्ण कोयला क्षेत्र रानीगंज है जिसका कुछ भाग झारखण्ड में पड़ गया है।

4. कोयले का वर्गीकरण कर उनकी विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए

कार्बन की मात्रा के आधार पर कोयला को चार वर्गों में वर्गीकृत किया गया है :–

(i) एन्थ्रासाइट ⟹ यह सर्वोच्च कोटि का कोयला है। जिसमें कार्बन की मात्रा 90% से अधिक होती है। जलने पर यह धुआँ नहीं देता है। तथा

देर तक अत्यधिक ऊष्मा देता है। इसे कोकिंग कोयला के नाम से भी जाना जाता है यह धातु गलाने के काम में आता है।

② बिटुमिनस ⟹ यह मध्यम कोटि का कोयला है। इसमें कार्बन की मात्रा 70-90% होता है। इसे परिष्कृत कर कोकिंग कोयला बनाया जा सकता है। भारत का अधिकतर कोयला इस श्रेणी का है।

लिग्नाइट ⟹ यह निम्न कोटि का कोयला माना जाता है। जिसमें कार्बन की मात्रा 30-70% होता है। यह कम ऊष्मा तथा अधिक धुआँ देता है। इसका रंग भूरा होता है। इसलिए इसे भूरा कोयला भी कहते हैं।

पीट → यह घटिया किस्म का कोयला है। इसमें कार्बन की मात्रा 30% से भी कम पाया जाता है। यह पूर्व के दलदली भागों में पाया जाता है।

5. भारत में खनिज तेल के वितरण का वर्णन कीजिये।

भारत में मुख्य रूप से पाँच खनिज तेल उत्पादक क्षेत्र हैं।

(i) उत्तरी पूर्वी प्रदेश → यह भारत का सबसे पुराना तेल उत्पादक क्षेत्र है। यहाँ 1866 ई० में तेल के लिए खुदाई शुरू की गई थी यह भारत का एकमात्र तेल उत्पादक क्षेत्र था। ऊपरी असमघाटी, अरुणाचल प्रदेश, नागालैण्ड आदि के विशाल तेल क्षेत्र इसके अंतर्गत आते हैं। इस क्षेत्र के महत्वपूर्ण उत्पादक डिगबोई, नहरकटिया मोरान, रुद्रसागर आदि हैं। अरुणाचल प्रदेश का निगरू और नागालैण्ड बोरहोल्ला उल्लेखनीय हैं।

(ii) गुजरात क्षेत्र ⟹ यह क्षेत्र खम्भात के बेसिन तथा गुजरात के मैदान में विस्तृत है। यहाँ पहली बार 1958 में तेल का पता चला इसके मुख्य उत्पादक अंकलेश्वर, कलोल, बलोल, सनोलेल, मेहसाना, कोसांबा आदि हैं।

(iii) मुम्बई हाई क्षेत्र ⟹ यह क्षेत्र मुम्बई तट से 176 km दूर उत्तर-पश्चिम दिशा में अरब सागर में स्थित है। यहाँ 1975 में तेल खोजने का कार्य शुरू हुआ। यहाँ समुद्र में सागर

सम्राट नामक मंच बनाया गया है। जो एक जलयान के रूप में है। और पानी के भीतर तेल के कुएँ खोदने का कार्य करता है।

(iv) पूर्वी तट प्रदेश ⇒ यह तेल क्षेत्र कृष्णा गोदावरी और कावेरी नदियों के बेसिन तथा मुहाने के तटीय क्षेत्र में फैला हुआ है। नारीमनम और कोविलप्पल कावेरी प्रदेश के मुख्य तेल क्षेत्र हैं।

(v) बाड़मेर बेसिन ⇒ इस बेसिन के मंगला तेल क्षेत्र से सितम्बर 2009 से उत्पादन शुरू हो गया था तथा 2012 तक उत्पादन हुआ।

6 जल विद्युत उत्पादन हेतु अनुकूल भौगोलिक एवं आर्थिक कारकों की विवेचना कीजिये।

जलविद्युत उत्पादन के लिए सदा वाहिनी नदी में प्रचुर जल की राशि नदी मार्ग में ढाल, जल का तीव्र वेग, प्राकृतिक जल प्रपात का होना। अनुकूल भौगोलिक दशाएँ हैं। जो पर्वतीय एवम् हिमानीकृत क्षेत्रों में पाया जाता है। इसकी उत्पादन की आर्थिक दशाएँ जैसे — सघन औद्योगिक विकास, वाणिज्यिक विकास बाजार पर्याप्त पूँजी निवेश, परिवहन के साधन तकनीकी ज्ञान एवं ऊर्जा के अन्य स्रोतों का अभाव प्रमुख है।

7 किन्हीं चार — तेल शोधक कारखाने का स्थान निर्दिष्ट कीजिये।

भाखड़ा नंगल प्रयोजना :- यह प्रयोजना सतलज नदी पर हिमालय क्षेत्र में विश्व के सर्वोच्च बांधों में एक है इसकी ऊँचाई 225 m है। यह भारत की सबसे बड़ी नदी घाटि प्रयोजना है। इस प्रयोजना से लाख किलो वाट विद्युत उत्पादन कर। पंजाब, हरियाणा दिल्ली, उत्तराखण्ड उत्तरप्रदेश हिमाचल प्रदेश, राजस्थान तथा जम्मू एवम् काश्मीर राज्यों के कृषि एवम् उपयोग में क्रांतिकारी

दामोदर घाटी प्रयोजना :- यह प्रयोजना दामोदर नदी के भयंकर बाढ़ से झारखण्ड एवम् पश्चिम बंगाल को को बचाने को उद्देश्य से किया

गया यह परियोजना 1300 मेगावाट जल विद्युत उत्पन्न करने में सहायक है। इसका लाभ बिहार, झारखण्ड, पश्चिम-बंगाल प्राप्त है।

कोयी परियोजना :- यह परियोजना उत्तर बिहार का अभिशाप कोयी नदी पर हनुमान नगर (नेपाल) में बाँध बनाकर 20000 किलो वाट बिजली उत्पादन किया जा रहा है। जिसकी आधी बिजली नेपाल को तथा शेष बिहार को प्राप्त होती है।

हिरकुंड परियोजना :- यह महानदी पर उड़ीसा में विश्व का सबसे लम्बा बाँध बनाकर 2.1 लाख किलोवाट बिजली उत्पादन किया जाता है। इसका उपयोग उड़ीसा एवं आस-पास

कोयी परियोजना → यह परियोजना उत्तर बिहार का अभिशाप कोयी नदी पर हनुमानगर (नेपाल) में बाँध बनाकर 20 हजार किलोवाट बिजली उत्पादन किया जा रहा है। जिसकी आधी बिजली नेपाल को तथा शेष बिहार को प्राप्त होती है।

हीराकुंड परियोजना → यह महानदीपर उड़ीसा में विश्व का सबसे लंबा बांध बनाकर 2.1 लाख किलोवाट बिजली उत्पादन किया जाता है। इसका उपयोग उड़ीसा एवं आस-पास के क्षेत्रों के कृषि एवं उद्योग में किया जाता है।

रिहन्द परियोजना → यह सोन की सहायक रिहन्द नदी पर है। इस परियोजना के अंतर्गत 30 लाख किलोवाट विद्युत उत्पन्न करने की क्षमता है। यहाँ के बिजली का उपयोग रेणुकूट के एल्युमिनियम उद्योग चूर्क का सीमेंट उद्योग मध्य भारत के रेलमार्ग का विद्युतीकरण तथा हजारों नलकूपों के लिए किए जाते हैं।

तुंगभद्रा परियोजना → यह कृष्णा नदी की सहायक नदी तुंगभद्रा पर कर्नाटक में अवस्थित दक्षिण भारत की सबसे बड़ी नदी घाटी परियोजना है। जो कर्नाटक एवं आंध्रप्रदेश के सहयोग से तैयार हुआ है इसकी बिजली उत्पादन क्षमता 1 लाख किलोवाट है।

Scanned with CamScanner

जो सिंचाई के साथ-साथ सैकड़ों छोटे बड़े उद्योगों को बिजली आपूर्ति करता है।

8. भारत के किन्हीं चार परमाणु विद्युत गृह का उल्लेख कीजिए तथा इनकी विशेषताओं को स्पष्ट कीजिये?

भारत के चार परमाणु विद्युत गृह निम्न है:-

(i) तारापुर परमाणु विद्युत गृह → यह एशिया महाद्वीप का सबसे बड़ा परमाणु विद्युत गृह है। यहाँ जल उबालने वाली दो परमाणु भट्टियाँ है। जिसमें प्रत्येक की उत्पादन क्षमता 200 मेगावाट से अधिक है। अब यहाँ यूरेनियम के स्थान पर थोरियम से प्लूटोनियम बनाकर विद्युत उत्पन्न किये जा रहे हैं। क्योंकि भारत थोरियम के भंडार में काफी समृद्ध है।

(ii) राणा प्रताप सागर विद्युत → यह राजस्थान के कोटा में स्थित है। यह चंबल नदी के किनारे है। जिससे जल प्राप्त होता है। यह बिजली घर कनाडा के सहयोग से बना है। इसकी उत्पादन क्षमता 100 मेगावाट है।

(iii) कलपक्कम परमाणु विद्युत गृह → तमिलनाडु में स्थित यह परमाणु गृह स्वदेशी प्रयास से निर्मित है। यहाँ 335 मेगावाट दो रिएक्टर 1983 एवं 1985 से कार्य करना शुरू कर दिया।

4. नरौरा परमाणु विद्युत गृह → यह उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर के पास स्थित है। यहाँ भी 235 मेगावाट क्षमता के दो रिएक्टर है।

9.) शक्ति (ऊर्जा) संसाधनों के संरक्षण हेतु कौन-कौन कदम उठाए जा सकते है? आप उसमें कैसे मदद पहुंचा सकते है?

शक्ति संसाधनों के संरक्षण हेतु निम्न कदम उठाए जा सकते है:-

(i) ऊर्जा के प्रयोग में मितव्ययिता → ऊर्जा संकट से बचने के लिए ऊर्जा का उपयोग हमें सोच-समझ कर करना चाहिए। इसके लिए तकनीकी विकास आवश्यक है। तकनीकी विकास ऐसे मोटरगाड़ियों का निर्माण करे जो कम तेल में ज्यादा चले।

(ii) ऊर्जा के नवीन स्रोतों की खोज → ऊर्जा संकट समाधान की दिशा मे

परम्परागत ऊर्जा के नए क्षेत्रों का खोज किया गया है।

(iii) ऊर्जा के नवीन वैकल्पिक साधनों का उपयोग :

वैकल्पिक ऊर्जा में पारंपरिक एवं गैर पारम्परिक दोनों ऊर्जा सम्मिलित है। इनमें कुछ नवीकरणीय है तो कुछ अनवीकरणीय हैं। आज वैकल्पिक ऊर्जा में जलविद्युत पवन ऊर्जा ज्वारीय ऊर्जा जैव-ऊर्जा भूतापिय ऊर्जा - सौर ऊर्जा आदि का विकल्प कर उपभोग करना शक्ति के साधनों को संरक्षित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

(iv) अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग ⇒ ऊर्जा संकट से बचने के लिए अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग की आवश्यकता है। विश्व के सभी राष्ट्र आपसी भेदभाव को भूलकर ऊर्जा संकट समाधान हेतु आम सहमति को नीति निर्धारण करने की आवश्यकता है। नहीं तो आनेवाले दिनों में यह विश्व के लिए दुखदायी सिद्ध होगा।

Scanned with CamScanner

CIV लोकतांत्रिक राजनीति इकाई - 01

Page No.
Date

लोकतंत्र क्या है।

* Ans → लोकतंत्र वह शासन है जिसमें सत्ता की सारी शक्ति जनता में होती है। सरकार अपने कार्यों के लिए जनता के प्रति उत्तरदायी होती है। जनता अपनी मर्जी से सरकार का चयन करती है। इस तंत्र में जनता को सरकार की गलत नितियों की आलोचना करने का अधिकार होते हैं।

* रंग भेद नीति क्या है? इस नीति का समर्थक कौन है?

Ans → गोरे और काले पर आधारित भेद के नीति को रंग भेद नीति कहते हैं। यह नीति साउथ अफ्रीका में लागू था। इस भेद-भाव के नीति का कुछ उदाहरण ओलंपिक खेल में भी देखने को मिला। इस नीति का प्रबल समर्थक जेड गुड्डी था।

* सामाजिक विभाजन और सामाजिक विभिन्नता में क्या अंतर है।

Ans → सामाजिक विभाजन तब होता है जब कुछ सामाजिक अंतर दूसरे अनेक विभिन्नताओं से ऊपर और व्यापक हो जाता है।

* स्वर्णों और दलितों का अंतर एक सामाजिक विभाजन है कैसे?

Teacher's Signature

Scanned with CamScanner

Page No.
Date

Ans → क्योंकि दलितों संपूर्ण देश में गरीब वंचित और बेघर है और भेद-भाव के शिकार है। जबकि स्वर्ण संपूर्ण देश में संपन्न और सुविधा युक्त है। अर्थात दलितों को यह महसूस होने लगता है कि वे दूसरे समुदाय के है। इस लिए हम कह सकते है कि सामाजिक अंतर अन्य विभिन्नताओं से ज्यादा महत्वपूर्ण बन जाता है और लोगों को महसूस होने लगता है कि दूसरे समुदाय के है। ऐसी स्थिति में सामाजिक विभिन्नता सामाजिक विभाजन का रूप ले लेती है।

* सरकार अपनी नीतियाँ कैसे तय करती है?

Ans → टकराव और समाजस्व लोकतंत्र की दो सीढ़ियाँ है। जिससे होकर ही सरकार अपनी नितियाँ तय करती है। सरकार की कोई भी नीतियाँ आसानी से तय नहीं हो पाती है। बल्कि उसे प्रतिद्वंदिता के कठिन परिवेश से गुजरते हुए सामंजस्य का माहौल बनाने का प्रयास किया जाता है। तब परिस्थित के परिणाम स्वरूप विरोधी पक्ष उसे स्वीकार कर लेते है और वही पर नीति निर्धारित हो जाता है जिसका जीवंत

Teacher's Signature .....

Scanned with CamScanner

उदाहरण पिछड़ी जातियों को सार्वजनिक सेवाहँ में 27% आरक्षण में उठे विवाद।

* 1970 के दशक से आधुनिक दशक के बीच भारतीय लोकतंत्र का सफर (सामाजिक न्याय के संदर्भ में) संक्षिप्त वर्णन करें।

Ans → 1970 के दशक के पूर्व भारत की राजनीति और चेतना सुविधा प्रस्थ होत समूहों के बीच थी। यानी इस दशक में राजनीति में स्वर्ण जातियों के बीच सत्ता पर कब्जा के लिए संघर्ष शुरु हुआ। 1990 के दशक के उपरांत पिछड़े जातियों का वर्चस्व तथा दलितों की जागृति भारतीय राजनीति के गलियारो में अपना उपस्थित कर रही थी और नीतियों को प्रभावित कर रही थी। भारतीय राजनीति के इस महामंथन में पिछड़े और दलितों का संघर्ष प्रभावी पड़ा रहा। आधुनिक में भारतीय राजनीति का पलड़ा दलितों और महादलितों के पक्ष में झुकता दिखाई दे रहा है। सरकार की कोई भी नितियाँ दलितों और पिछड़ो के हित को ध्यान में रख कर ही बनाए जा रहे हैं।

* सामाजिक विभाजनों की राजनीति का।

Page No.
Date

परिणाम किन-किन तत्वों पर निर्भर करता है।

Ans→ भारत में सामाजिक विभाजन की राजनीति का परिणाम किन-किन तत्वों पर निर्भर करता है।

लोग अपनी पहचान स्वाभाविक तक सीमित रखना चाहते है क्यों कि प्रत्येक मनुष्य में दो तरह की चेतनाएँ पाई जाती है।

(i) राष्ट्रीय चेतना

(ii) उपराष्ट्रीय चेतना

इसको क्षेत्रिय चेतना भी कहते है। कोई एक चेतना बाकी चेतनाओं की कीमत पर उग्र होने लगती है तो समाज में असंतुलन पैदा होने लगता है।

कोई भी राजनीतिक दल किसी समाज या समुदाय के माँगो को कैसे उठा रहे है। संविधान के दायरे में आने वाली तथा दूसरे समुदाय को नुकसान न पहुँचाने वाली माँगों को मानलेना आसान है। यदि माँगे असंवैधानिक तथा दूसरे समुदाय को नुकसान पहुँचाने वाली हो तो उसे मानना आसान नहीं होता है।

Teacher's Signature ....

सामाजिक विभाजन की राजनीति सरकार के स्वरूप पर भी निर्भर करता है। सामाजिक मांगों पर सरकार कैसी प्रतिक्रिया व्यक्त कर रही है। अगर भारत में पिछड़ों एवं दलितों के प्रति न्याय के माँग को सरकार शुरुआत से ही खारिज करती रहती है तो आज भारत विखराव के कगार पर होता लेकिन सरकार ने इसे संवैधानिक और न्याय संगत मान कर इन जातियों को सत्ता में साझेदार बनाया।

* क्यों सिर्फ जाति के आधार पर चुनावी नतीजे तय नहीं हो सकते। इसके कुछ कारणों का उल्लेख करें।

Ans→ किसी भी निर्वाचन क्षेत्र का गठन इस प्रकार नहीं किया गया है कि उस क्षेत्र में एक ही जाति के मतदाता रहें। ऐसा हो सकता है कि उस निर्वाचन क्षेत्र में एक खास जाति विशेष के मतदाताओं की संख्या अधिक हो। परंतु उस क्षेत्र में दूसरे जाति के मतदाता निर्णायक भूमिका में होते हैं यह भी कहना ठीक नहीं होगा की कोई पार्टी केवल ही एक ही जाति का वोट हासिल कर सत्ता में आता है। ऐसे किसी खास जाति विशेष को एक

Teacher's Signature

Scanned with CamScanner

Page No.
Date

दल के वोट बैंक माने जाते है। इसका मतलब यह होता है कि उस जाति के अधिकतर मतदाता उसी पार्टी को वोट देते है। जैसे → अहिर राजद को और कुर्मी जदयू को।

* जाति को राजनीति प्रभावित करता है, कैसे ?

Ans→ जाति राजनीति को प्रभावित करता है परंतु इसका अर्थ यह नहीं निकलना चाहिए कि राजनीति और जाति के बीच एक पक्षिय संबंध है, राजनीति भी जाति को प्रभावित करता है और राजनीति जाति भावना को उभरता है।

कभी - कभी राजनीति का यह भी कोशिश रहता है कि एकसमान स्थितिवाले कई जातियों को मिलाकर एक गठबंधन बनाई जाए और राजनीति सत्ता हासिल किया जाए। जिसका ज्वलन्त उदाहरण 2019 के लोकसभा चुनाव में महागठबंधन।

पूरे भारत में राजनीति पिछड़े दलितों, अल्पसंख्यको तथा वंचित वर्गों के ईर्द - गिर्द घूम रही है, ये

Teacher's Signature

अपनी राजनीतिक सत्ता सुधारने में एड़ी-चोटी एक कर रहे हैं। यही कारण है कि आज भारत का सर्वांगीण विकास हो रहा है। आज राजनीति का केन्द्र बिन्दु वंचित, शोषित अल्पसंख्यक के आस-पास स्थित हो गया है।

* वर्ण व्यवस्था क्या है।

Ans → कर्मों पर आधारित जाति समूहों का पदानुक्रम व्यवस्था है, जिसमें एक जाति समूह के लोग सामाजिक पैदान पर सबसे ऊपर हैं। जैसे → ब्राह्मण, दूसरे पैदान पर क्षत्रिय तीसरे पैदान पर वैश्य और सबसे नीचले पैदान पर वैश्य हैं। चूँकि यह व्यवस्था श्रम विभाजन पर आधारित था। इसलिए इनके बीच शादी-विवाह और खान-पान भी हुआ करता था। कालान्तर में यह व्यवस्था जन्म का आधार लेने लगा तब यह समाज में अतिवादी व्यवस्था में बदल गया और समाज विभाजित हो गया।

* धर्म को राजनीति से अलग नहीं करना चाहिए। स्पष्ट करें।

Ans → गाँधी जी ने एक बार कहा था धर्म को राजनीति

Scanned with CamScanner

से अलग नहीं करना चाहिए। इसका अर्थ यह भी नहीं करना चाहिए कि हिन्दू, इस्लाम, सिक्ख, ईसाई धर्म को आधार मानकर राजनीति का स्वरूप खड़ा किया जाए। इसका अर्थ यह लगाना चाहिए कि राजनीति का आधार धर्म में निर्देशित आधार मूल्यों के आधार पर होना चाहिए।

धर्म निरपेक्षता क्या है।

* Ans→ ऐसे संविधान द्वारा धर्मनिरपेक्षता को परिभाषित नहीं किया गया। बल्कि उसके भाव को स्पष्ट किया गया। धर्म निरपेक्षता का तात्पर्य भारत का कोई अपना धर्म नहीं होगा। भारत सभी धर्मों का एक समान आदर करेगा। धर्म के नाम पर किसी के साथ भेद-भाव नहीं करेगा। सभी नागरिकों को अपने इच्छा अनुसार धर्म मानने उसके मान्यता के अनुसार आचरण करने, प्रचार-प्रसार करने और धर्म परिवर्तन करने का अधिकार देगा।

सम्प्रदायिकता क्या है।

* Ans→ सम्प्रदायिता भारत के लिए गंभीर समस्या है। सम्प्रदायिकता का तात्पर्य अपने धर्म को श्रेष्ठ बताकर दूसरे धर्म को नीचा दिखाने की प्रवृति है। दूसरे शब्दों में जो स्वून देशहित

Teacher's Signature ....

में रहना चाहिए। यदि वह स्कूल मंदिर, मस्जिद, गिरजाघर उसकी रक्षा के लिए रहता है उसे सम्प्रदायिकता कहते है।

राजनीति में धर्म कब समस्या बन जाती है।

* राजनीति में धर्म तब समस्या बन जाती है जब

As → धर्म को राष्ट्र का आधार मान लिया जाता है।

(i) राजनीति में धर्म की अभिव्यक्ति एक समुदाय

(ii) विशेष की विशिष्टता के लिए की जाती है।

राजनीति किसी धर्म विशेष को अधिक महत्व

(iii) देती है।

किसी धर्म विशेष समुदाय के लोग दूसरे धर्म

(iv) विशेष के समुदाय के खिलाफ मोर्चा खोल देते है।

लैंगिक विभिन्नता क्या है।

* जब लिंग (स्त्री, पुं०) के आधार पर भेदभाव की

As → जाती है, उसे लैंगिक विभिन्नता या समानता कहते है। यह विभिन्नता आज भी समाज में विद्यमान है। लैंगिक विभिन्नता में हम स्त्री और पुरुष के लैंगिक बनावट की ओर ध्यान नहीं देते है। बल्कि इन दोनों के बारे में प्रचलित रूढ़ीवादी छवियों और समाजिक भूमिका के बारे में विवेचना करते है।

Teacher's Signature ....

SAGAR
Page No.
Date

* भारत में विधायिकाओं में महिलाओं की प्रतिनिधित्व की स्थिति क्या है।

Ans → भारत के लोकसभा में महिला प्रतिनिधियों की सं० वर्तमान में लगभग 59 हो गई है फिर भी इसका प्रतिशत 11% से भी कम है। ऐसे विकसित या विकासशील किसी भी देश में महिला प्रतिनिधि की संख्या संतोष जनक नही है। वर्तमान में जो महिला प्रतिनिधि है भी तो इसमें कुछ का पारिवारिक पृष्ठभूमि अपराधिक है। लेकिन चुनाव आयोग के द्वारा उठाये गए कठोर कदमों से कुछ बदलाव आया है। अभी फिलहाल में महिला प्रतिनिधि है उसमें महिला लगभग स्नातक पास है।

* चुनाव की जातियता में ह्रास की प्रवृत्ति कब आती है।

Ans → चुनाव की जातियता में ह्रास की प्रवृत्ति जब आती है तब किसी भी निर्वाचन क्षेत्र का गठन इस प्रकार नही किया गया है कि उसमें एक ही जाति का मतदाता हो। ऐसे हो सकता है। किसी खास निर्वाचन में किसी खास जाति के मतदाताओं की संख्या अधिक हो। परंतु वैसे निर्वाचन क्षेत्रों में अन्य जाति के

Teacher's Signature .....

Scanned with CamScanner

मतदाता निर्णायक भूमिका में होते हैं।

(i) यह भी कहना ठीक नहीं होगा कि कोई पार्टी विशेष एक जाति के मत हासिल कर सत्ता में आता है। जब हम कहते हैं कि किसी जाति विशेष के मतदाता वोट बैंक को मानते हैं तो इसका मतलब यह होता है कि उस जाति के अधिकतर मतदाता उस पार्टी को ही वोट देते हैं।

(ii) अगर किसी निर्वाचन क्षेत्र में किसी एक जाति विशेष की सं० अधिक हो तो चुनाव लड़ रहे सभी पार्टियाँ उस जाति विशेष को टिकट देते हैं।

(iii) अगर जाति भावना स्थायी और अटूट होता तो जातियाँ गोलबंदी पर सत्ता में आने वाली पार्टी की कभी हार नहीं होती हैं।

पाठ → 2

×—×—×—×

* संघीय शासन व्यवस्था किसे कहते हैं और इसकी कौन - कौन सी विशेषताएँ हैं।

Ans - संघीय शासन व्यवस्था उस शासन व्यवस्था को कहते हैं जिसमें दोहरी सरकार की व्यवस्था हो और दोनो सरकारों के अधिकार एवं कार्य संविधान में ही अलग- अलग सूचियों में विभाजित कर दिया गया हो।

SAGAR
Page No.
Date

विशेषताएँ →

(i) इसमें दोहरी सरकार होती है। एक केन्द्रीय सरकार और दूसरा प्रांतिय सरकार।

(ii) इसके अधिकार कार्य संविधान के सूचियों में ही बाँट दिया गया होता है।

(iii) दोनो सरकारे एकही नागरिक समुदाय पर शासन करते है।

(iv) इसमें एक स्वतंत्र एवं निष्पक्ष न्यायपालिका की व्यवस्था रहती है।

(v) संघीय व्यवस्था में दोनों स्तर की सरकार एक लिखित संवैधानिक व्यवस्था के अनुसार चलाए जाते है।

* संघीय शासन व्यवस्था का गठन कैसे होता है।

Ans → संघीय शासन व्यवस्था का गठन दो तरीके से होता है।

(i) जब कई स्वतंत्र एवं सम्प्रभु राज्य आपस में मिलकर एक समान्य सम्प्रभुता का निर्माण करते है तो उसे संघ राज्य का गठन होता है। जैसे → संयुक्त राज्य अमेरिका, आस्ट्रेलिया, सोवियत संघ एवं स्वीटजरलैण्ड, भारत।

इस व्यवस्था में राज्यों की शक्तियाँ अधिक और केन्द्र की

Teacher's Signature .....

Scanned with CamScanner

शक्तियाँ कम होती है।

(ii) जब कोई बड़ा स्वतंत्र सम्प्रभु राज्य अपनी प्रशासनिक सुविधा की दृष्टि से कई इकाई प्रांतो में या स्थानीय निकायों में बाँट देता है तो संघ राज्य का गठन होता है। जैसे→भारत इसमे केन्द्र की शक्तियाँ अधिक और इकाई प्रांतो की शक्तियाँ कम होती है।

* सत्ता का क्षैतिज वितरण क्या है।

Ans→ सरकार के एक ही स्तर पर सत्ता के बँटवारे को सत्ता का क्षैतिज वितरण कहते है।
जैसे→ विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका

* सत्ता का उर्ध्वाधर वितरण क्या है।

Ans→ सरकार के विभिन्न स्तरों पर सत्ता के बँटवारे को सत्ता का उर्ध्वाधर वितरण कहते है।
जैसे→ केन्द्रसरकार, प्रांतीय सरकार, और स्थानीय सरकार।

* भारतीय संविधान में कानून बनाने के लिए कितनी सूचियाँ बनाई गई है।

Ans→ भारतीय संविधान में कानून बनाने के लिए तीन सूचियाँ बनाई गई है।

(i) संघ सूचि → जिन विषयों पर कानून बनाने का अधिकार संसद (केंद्रीय सरकार) सरकार हो उसे संघ सूचि कहते है। संघ सूचि के अंतर्गत

Teacher's Signature
Scanned with CamScanner

Page No.
Date

आनेवाली सभी विषय राष्ट्रीय महत्व के विषय होते है।
जैसे → सुरक्षा, रेलवे, विदेश एंड्भास, टेक्नोलॉजी पेन्शन आदि।
राज्य सूचि → जिन विषयों पर कानून बनाने का अधिकार राज्य विधानमण्डल (प्रांतीय सरकार) का हो उसे राज्य सूचि कहते है। राज्य सूचि के अंतर्गत कुल 47 विषय रखे गए है। इसके अतंर्गत आने वाले विषय क्षेत्रीय महत्व के विषय होते है।
जैसे → पुलिस, न्याय, कृषि, सिंचाई इत्यादि।
समवर्ती सूचि → जिन विषयों पर कानून बनाने का अधिकार संसद (केन्द्रीय सरकार) और राज्य विधानमंडल (प्रांतीय सरकार) दोनों का हो उसे समवर्ती सूचि कहते है। इसके अंतर्गत आनेवाले सभी विषय राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय महत्व के होते है। इसमें कुल 66 विषय रखे गए है।
जैसे → शिक्षा, बिजली, तलाक, शादी-विवाह, वसीयत आदि।
अवशिष्ट सूचि क्या है।
Ans → संविधान में वर्णित कुल 210 विषयों के अतिरिक्त विषय शेष रह गए है उसे अवशिष्ट सूचि कहते है। जिस पर कानून बनाने का अधिकार (केन्द्रीय सरकार) संसद को होता है।

Teacher's Signature ....

* गठबंधन की सरकार किसे कहते है।
Ans → जब दो या दो से अधिक राष्ट्रीय और क्षेत्रीय राजनीतिक दल आपस में मिलकर चुनाव लड़ती हैं या चुनाव के उपरांत सरकार का गठन करती है तो उसे गठबंधन की सरकार कहते है। सत्ता में साझेदारी या हिस्सो का तातकालिक रूप इसमें दिखाई देती है, क्योंकि गठबंधन में विभिन्न विचार धाराओं विभिन्न सामाजिक समूहो और विभिन्न क्षेत्रीय एवं राष्ट्रीय हितोंवाले राजनीतिक दल एक साथ एकसमय में सत्ता में साझेदारी करते है।
* सत्ता का विकेन्द्रीकरण से आप क्या समझते है।
Ans → राजनीतिक सत्ता को विभिन्न स्तरों पर विभाजित करना सत्ता का विकेन्द्रीकरण कहलाता है।
जैसे → केन्द्रीय सरकार, प्रांतीय सरकार, और स्थानीय सरकारों के बीच सत्ता का विभाजन।

Teacher's Signature ....

Scanned with CamScanner

अर्थशास्त्र इकाई 01

Page No.
Date

अर्थ व्यवस्था किसे कहते हैं।

* अर्थव्यवस्था उस तंत्र को कहते हैं जिसके अंतर्गत
Ans → भिन्न-भिन्न प्रकार की आर्थिक क्रियाओं का संपादन किया जाता है।

जैसे → नौकरी, व्यापार।

इन आर्थिक क्रियाओं से विभिन्न प्रकार की वस्तुओं एवं सेवाओं का सम्पादन करती है और दूसरी ओर लोगों के रोजगार को अवसर प्रदान करती है ताकि वे आवश्यकता की संतुष्टि हेतु देश में उत्पादित वस्तुओं एवं सेवाओं को क्रय कर सकें।

उपनिवेश क्या है।

* जब कोई देश किसी बड़े सामर्थ्यशाली
Ans → देश के शासन को अंतर्गत रहता है और समस्त आर्थिक एवं व्यावसायिक कार्यों का निर्देशन एवं नियंत्रण शासक देश का होता है तो उस शासित देश को शासक देश का उपनिवेश कहा जाता है।

जैसे → भारत ब्रिटेन का उपनिवेश था।

* अर्थ व्यवस्था कितने प्रकार के होते हैं।

अर्थ व्यवस्था तीन प्रकार के होते हैं।
Ans →

Teacher's Signature ....

i) पूँजीवादी अर्थव्यवस्था → जब उत्पादन के साधनों पर किसी खास व्यक्ति या कुछ व्यक्ति समूह का नियंत्रण एवं स्वामित्व हो तो उसे पूँजीवादी अर्थव्यवस्था कहते हैं।
जैसे → अमेरिका, जापान, जर्मनी आदि।

ii) समाजवादी अर्थव्यवस्था → जब उत्पादन के साधनों पर सबका या सरकार का स्वामित्व एवं नियंत्रण हो उसे समाजवादी अर्थव्यवस्था कहते हैं।
जैसे → रूस, चीन, वियतनाम, क्यूबा, उत्तरी कोरिया, दक्षिणी कोरिया।

iii) मिश्रित अर्थव्यवस्था → जब उत्पादन के साधनों पर किसी खास व्यक्ति कुछ व्यक्ति समूह और सरकार दोनों का स्वामित्व और नियंत्रण हो तो उसे मिश्रित अर्थव्यवस्था कहते हैं।
जैसे → भारत।

* सतत विकास क्या है।
Ans → सतत विकास की वह प्रक्रिया है जो हमेशा जारी रहता है और टिकाऊ होता है। वर्तमान और भविष्य में विकास की प्रक्रिया रुकती नहीं है उसे सतत विकास कहते हैं।

* आर्थिक नियोजन क्या है।
Ans → आर्थिक नियोजन राष्ट्र के प्राथमिकताओं के अनुसार देश में उपलब्ध संसाधनों को विकास कार्यों में उपयोग करना है। किसी भी देश का आर्थिक एवं सामाजिक विकास नियोजन के अभाव में नहीं हो सकता है भारत में अभी 11वीं योजना चल रहा है।

* समावेशी विकास क्या है।
Ans → समावेशी विकास आर्थिक विकास की उस प्रक्रिया को कहते हैं जिसे आर्थिक विकास के लाभ से वंचित न करें।

* योजना आयोग क्या है।
Ans → योजना आयोग का गठन 15 मार्च 1950 ई० को हुआ था। इसका पदेन अध्यक्ष प्रधानमंत्री होते हैं। इसमें कुल 8 सदस्य होते हैं। इसका मुख्य कार्य देशों में उपलब्ध संसाधनों को विकास कार्यों के लिए निर्देशित करना है।

* राष्ट्रीय विकास परिषद क्या है।
Ans → राष्ट्रीय विकास परिषद की स्थापना 6 अगस्त 1952 ई० को हुआ था। इस का

पदेन अध्यक्ष प्रधानमंत्री होते हैं।

भारत के सभी प्रांतों के मुख्यमंत्री और केन्द्र शासित प्रदेश के प्रशासक इस के पदेन सदस्य होते हैं। इसका मुख्य कार्य आर्थिक नियोजन हेतु राज्य सरकारों तथा योजना आयोग के बीच तालमेल तथा सहयोग का वातावरण बनाना है। योजना आयोग द्वारा तैयार की गई योजनाओं को अनुमोदित करना भी इसका मुख्य कार्य है।

* वस्तु विनिमय प्रणाली क्या है।

वस्तुओं से वस्तुओं के लेन-देन को वस्तु विनिमय प्रणाली कहते हैं लेन-देन का यह प्रणाली अति प्राचीन है।

* मौद्रिक (मुद्रा) विनिमय प्रणाली क्या है।

रूपये-पैसे (मुद्रा) के द्वारा वस्तु के लेन-देन को मौद्रिक विनिमय प्रणाली है। यह लेन-देन का सबसे आधुनिक प्रणाली है।

* राष्ट्रीय आय क्या है।

एक साल के भीतर जितनी भी वस्तुओं एवं सेवाओं का उत्पादन के कुल मूल्य के योग को राष्ट्रीय आय कहते हैं।

Teacher's Signature .....

* प्रति व्यक्ति आय क्या है।

Ans→ कुल राष्ट्रीय आय में जनसंख्या से भाग देने पर जो भागफल प्राप्त है उसे प्रति व्यक्ति आय कहते हैं। किसी भी देश के प्रति व्यक्ति आय का आर्थिक एवं कम होना उस देश के विकसित और विकसित होने का संकेत देता है।

* मानव विकास रिपोर्ट क्या है।

Ans→ संयुक्त राष्ट्र संघ विकास कार्यक्रम के द्वारा महबूब उल हक के द्वारा मानव के विकास को जो रिपोर्ट तैयार किया गया था। उसे मानव विकास रिपोर्ट कहते हैं इन्होंने मानव के विकास का रिपोर्ट तीन बिंदुओं पर तैयार किया गया था। (i) जीवन के प्रति आशा, (ii) शैक्षणिक स्तर, (iii) जीवन स्तर

* आधार भूत संरचना क्या है।

Ans→ आधार भूत संरचना का तात्पर्य उन सुविधाओं तथा सेवाओं से है जो देश के आर्थिक विकास में सहायता करते हैं, जैसे बिजली, सड़क, परिवहन, संचार विद्यालय, विश्वविद्यालय, स्वास्थ्य केन्द्र, बैंकिंग, सुविधा इत्यादि।

Scanned with CamScanner

किसी भी देश के आर्थिक विकास में इस का बहुत योगदान होता है। जिस देश का आधारभूत संरचना जितना ही मजबूत होता है वह देश उतना ही विकसित होता और जिस देश का आधारभूत संरचना जितना ही कमजोर होता है वह देश उतना ही अविकसित होता है।

* गरीबी रेखा क्या है।

Ans→ गरीबी के निर्धारण के लिए भारत के योजना आयोग द्वारा एक सीमा रेखा निर्धारित की गई है, जिसका आधार भोजन में मिलने वाली कैलोरी ऊर्जा का आधार बनाया गया है। ग्रामीण क्षेत्रों में प्रति व्यक्ति प्रतिदिन 2400 कैलोरी ऊर्जा और शहरी क्षेत्रों में प्रति व्यक्ति कैलोरी ऊर्जा निर्धारित की गई है 2100 इस सीमा रेखा से ऊपर के व्यक्ति या परिवार को APL और उसके नीचे रहने वाले व्यक्ति या परिवार को BPL कहते हैं।

* मनरेगा क्या है।

Ans→ मनरेगा केन्द्र प्रवर्त एक योजना है जिसका पुराना नाम नरेगा था। जिसका पूरा नाम महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम है। इस योजना में ग्रामीण क्षेत्र में रहने वाले काम करने के इच्छुक बेरोजगार व्यक्ति, व्यक्तियों को साल में 100 दिन काम देने की व्यवस्था है। काम का प्रबंध करने की जिम्मेवारी स्थानिय निकायों की है। काम नहीं देने पर इसे भत्ता देने की व्यवस्था किया गया है।

* बिहार के आर्थिक पिछड़ेपन के कौन-कौन से कारण है तथा इसे दूर करने के उपाय को बतावें।

Ans- बिहार में आर्थिक पिछड़ेपन के निम्न करण है।

(i) तीव्र गति से बढ़ती हुई आबादी।
(ii) आधारभूत संरचना का अभाव।
(iii) बिहार में प्रतिवर्ष बाढ़ या सुखाड़ स्थिति।
(iv) कृषि पर जनसंख्या पर बढ़ता हुआ अभार।
(v) लघु एवं कुटीर उद्योगों का अभाव।
(vi) बिहार के बिगड़ी हुई विधि व्यवस्था।
(vii) कुशल राजनीति नेतृत्व का

इसे दूर करने के उपाय:-
(i) बढ़ती हुई आबादी पर प्रभावकारी नियंत्रण।

Teacher's Signature .....

कृषि में आर्थिक विकास कर इसे रोका जा सकता है।

(ii) बाढ़ और सुखाड़ पर नियंत्रण कर इसे रोका जा सकता है।

(iii) आधारभूत संरचना का विकास कर इसे दूर किया जा सकता है।

(iv) उद्योग धंधों का विकास कर इस पर नियंत्रण पाया जा सकता है।

(v) राज्य में कानून व्यवस्था दुरुस्त कर इसे रोका जा सकता है।

(vi) स्वच्छ एवं ईमानदार प्रशासन स्थापित कर इसे दूर किया जा सकता है।

(vii) केन्द्र से मिलने वाला अनुदान तथा संसाधनों को अधिक मात्रा में स्थानांतरण कर इसे रोका जा सकता है।

* कृषि जनित उद्योग किसे कहते हैं।

Ans → कृषि जनित उद्योग उस उद्योग को कहते हैं जिस उद्योग को चलाने के लिए कच्चे माल का उत्पाद कृषि से होता है।

जैसे → चीनी उद्योग, जूट उद्योग, सूती वस्त्र उद्योग, तेल- घानी उद्योग, चावल- आटा उद्योग।

Teacher's Signature ....

* क्या प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि राष्ट्रीय आय को प्रभावित करती है। वर्णन करें।

Ans → राष्ट्रीय आय एवं प्रति व्यक्ति आय में परिवर्तन होने से इसका सीधा प्रभाव लोगों के जीवन पर पड़ता है। राष्ट्रीय आय वास्तव में देश के अंदर एक वर्ष में वस्तुओं एवं सेवाओं के उत्पादन के कुल मूल्य के योग को कहते हैं। लेकिन उत्पादन में वृद्धि तभी होगी। जब उत्पादन क्रिया में अधिक से अधिक श्रमिक लगाये जाएंगे। जैसे- जैसे उत्पादन में वृद्धि होगी। वैसे- वैसे बेरोजगारों को रोजगार मिलेगा। श्रमिकों का वेतन बढ़ेगा। उस की आय बढ़ेगी तथा उसके जीवन स्तर में सुधार होगा।

पाठ → 3

x—x—x—x

* वस्तु विनिमय क्या है।

Ans → वस्तु विनिमय लेन- देन का अति प्राचीन प्रणाली है। जिसमें वस्तुओं से वस्तुओं का लेन- देन किया जाता है।

* मौद्रिक विनिमय प्रणाली क्या है।

Ans → मौद्रिक विनिमय प्रणाली आधुनिक लेन- देन की प्रणाली है इस प्रणाली में मुद्रा यानी रुपये पैसे के द्वारा वस्तुओं का लेन- देन

Teacher's Signature ....

किया जाता है।

* मुद्रा की परिभाषा क्या है।

Ans → मुद्रा सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त विधि ग्राह वस्तु है। दूसरे शब्दों में मुद्रा वह है जो लेन - देन का कार्य करता है।

* A.T.m क्या है।

Ans → A.T.m का पूरा नाम (Automatic tellar machime) यह एक प्लास्टिक का कार्ड है। जिसमें एक गुप्त अंक होता है। जिसके माध्यम से किसी भी बैंक के A.T.m काउंटर से पैसे का निकासी किया जाता है। इसके माध्यम से 24 घंटा पैसे निकालने की सुविधा है।

* क्रेडिट कार्ड क्या है।

Ans → यह एक प्लास्टिक मुद्रा है दुनिया के प्रसिद्ध केड्रिट कार्डों में वीज़ा, मास्टर कार्ड, अमेरिकन एक्सप्रेस प्रसिद्ध है। इसके अंतर्गत ग्राहक की वित्तिय स्थिति को देखते हुए बैंक उन की शाख की एक राशि निर्धारित कर देते है। जिसके अंतर्गत ग्राहक क्रेडिट कार्ड के माध्यम से निर्धारित राशि के अंदर वस्तुओं एवं सेवाओं को खरीद सकें।

* बचत क्या है।

Ans → आय एवं व्यय के बीच के अंतर को बचत कहते हैं। बचत दो प्रकार के होता है।

(i) नगद बचत

(ii) वस्तु बचत

* साख क्या है।

Ans → साख का शाब्दिक अर्थ है विश्वास या भरोसा जिस व्यक्ति पर जितना ही विश्वास या भरोसा अधिक होता है उसकी साख उतनी ही अधिक होती है। लेकिन अर्थ शास्त्र में शाख का मतलब किसी भी तरह के ऋण या उधार को चुकाने की क्षमता से है। ऋण या उधार वादे किए गए निश्चित अवधि में चुकाने से शाख बढ़ जाता है।

* वस्तु विनिमय प्रणाली की कठिनाईयों पर प्रकाश डालें।

Ans → वस्तु विनिमय प्रणाली में निम्न कठिनाईयाँ निम्न है।

(i) लेन - देन के दोहरे संयोग का अभाव → आवश्यकता के दोहरे संयोग का मतलब एक की जरूरत दूसरे जरूरत से मेल खाती है या नहीं ऐसा समय बड़ी संयोग से ही जुटता है।

मूल्य मापने में कठिनाई → वस्तु विनिमय प्रणाली के समय कोई ऐसा सर्वमान्य मापक नहीं था। जिसकी सहायता से सभी प्रकार की वस्तुओं एवं सेवाओं के मूल्य को मापा जा सके।
जैसे → एक सेर घी के लिए कितना चावल दिया जाए।

मूल्य संचय का आभाव :→ वस्तु विनिमय प्रणाली में वस्तुओं को अधिक दिन तक संचय कर के रखने में कठिनाई होती थी। व्यवहार में लोग कुछ ऐसी वस्तुओं का उत्पादन करते थे। जो शीघ्र नष्ट हो जाते थे।
जैसे → फल, सब्जी, मछली इत्यादि। इसे अधिक दिन तक संचय कर के रखना संभव नहीं था।

(v) सह विभाजन में कठिनाई → कुछ वस्तुएँ ऐसी होती हैं जिसको विभाजित नहीं किया जा सकता क्योंकि विभाजित करने से उसका अस्तित्व समाप्त हो जाता है। उदाहरण के लिए एक गाय को दो लोगों के बीच का विभाजन। जबकि गाय को दो टुकड़े नहीं किए जा सकते हैं। उसके दो टुकड़े करने से ~~अ~~ उसकी उपयोगिता नष्ट हो जाएगी।

(vi) भविष्य के भुगतान की कठिनाईयाँ → वस्तु विनिमय प्रणाली में उधार लेन-देन करने में कठिनाई होती थी। जैसे, कोई अपनी व्यक्ति अपनी गाय को दो वर्षों के लिए दूसरों को देता है। और अवधि समाप्त होने पर उसे लौटा देता है तो लेनेवाले को फायदा एवं देनेवाले को घाटा होता है।

* वस्तुएँ कितने प्रकार के होते हैं।
Ans → वस्तुएँ दो प्रकार के होते हैं।
(i) टिकाऊँ वस्तुएँ → जिन वस्तुओं का उपयोग लंबे समय तक किया जाता है। उसे टिकाऊँ वस्तुएँ कहते हैं।
जैसे → मोटरगाड़ी, कपड़ा, मकान
(ii) गैर टिकाऊँ वस्तुएँ → जिन वस्तुओं का उपयोग केवल एक ही बार किया जाता है उसे गैर-टिकाऊँ वस्तुएँ कहते हैं।
जैसे → बीज और खाद्य पदार्थ

* मुद्रा के आर्थिक महत्व पर प्रकाश डालें।
Ans → आधुनिक अर्थव्यवस्था में मुद्रा का काफी महत्व है, यदि मुद्रा को समाज से हटा दिया जाए तो हमारी सारी अर्थव्यवस्था अस्त-व्यस्त हो जाएगी। यदि मुद्रा नहीं होता है दुनिया का इतना आर्थिक विकास नहीं होता

होता है। अर्थव्यवस्था का स्वरूप जो भी (पूँजीवादी, समाजवादी और मिश्रित) सभी में मुद्रा आर्थिक विकास के मार्ग में महत्वपूर्ण भूमिका निभाया है।

* **साख पत्र कितने प्रकार के होते हैं कुछ प्रमुख साख पत्रों का उल्लेख करें।**

Ans → साख पत्र आठ प्रकार के होते हैं।

(i) चेक
(ii) बैंक ड्राफ्ट
(iii) विनिमय बिल
(iv) हुंडी
(v) प्रतिज्ञा पत्र
(vi) यात्री चेक
(vii) फुस्तकीय साख
(viii) साख प्रणाम पत्र

(1) चेक → चेक सबसे अधिक प्रचलित साख पत्र है। चेक एक प्रकार का लिखित आदेश है जो बैंक में रुपया जमा करने वाला अपने बैंक को देता है। उसमें लिखित रकम चेक पर अंकित व्यक्ति को दे दिया जाए।

(2) बैंक ड्राफ्ट → एक ऐसा साख पत्र है जो एक बैंक अपनी किसी शाखा या एक अन्य बैंक को आदेश देता है कि उस पत्र में लिखी हुई रकम उसमे अंकित नाम के व्यक्ति को दे दिया जाए।

(3) यात्री चेक → यह एक साख पत्र है जो जिसे कोई भी यात्री बैंक में निश्चित रकम जमा कर प्राप्त कर सकता है। इस चेक पत्र पर एक निश्चित रकम छपी रहती है। यात्री संबंधित बैंक के किसी भी शाखा में इस चेक को प्रस्तुत कर मुद्रा प्राप्त कर सकता है। इस चेक पर यात्री के हस्ताक्षर के नमूने छपे रहते हैं।

(4) प्रतिज्ञा पत्र → यह एक ऐसा साख पत्र है जिस पत्र में ऋणी की मांग पर या किसी एक निश्चित अवधि के बाद उसमें अंकित रकम ब्याज सहित देने का वादा किया जाता है।

शब्द संक्षेप

x — x — x — x — x

1. G.D.P → Gross Domestic Product.
2. P.C.I → Per capita Income.
3. N.S.S.O → National Sample Survey Organisation.
4. C.S.O → Central Statistical Organisation
5. G.N.P → Gross National Product.
6. N.N.P → National Net Product.
7. N.I → National Income
8. E.D.I → Economic Development Income

Class-X
Economics
Objective

1. भारतीय संदर्भ में प्राथमिक क्षेत्र का योगदान कैसा हुआ
उ० - घटता गया

2. भारत में योजना आयोग का गठन कब किया गया
उ० 15 मार्च 1950

3. भारत में ~~योज~~ प्रथम पंचवर्षीय योजना का प्रारम्भ कब हुआ?
उ० 1951-1956

4. भारत की अर्थव्यवस्था कैसी है?
उ० मिश्रित

5. भारत में नीति आयोग का गठन कब हुआ?
उ० - 2015

6. बिहार में किसकी प्रधानता है?
उ० कृषि की।

7. बिहार की कितनी प्रतिशत आबादी कृषि पर निर्भर है?
उ० 80%

8. भारतीय अर्थव्यवस्था के कितने क्षेत्र हैं?
उ० तीन (I) प्राथमिक क्षेत्र - कृषि, पशुपालन, वन
(II) द्वितीयक क्षेत्र - उद्योग, निर्माण, गैस बिजली
(III) तृतीयक - सेवा, बैंक, संचार, व्यापार, परिवहन

प्रधानाध्यापक

Scanned with CamScanner

9. ~~भारत~~ विश्व में कितने तरह की अर्थव्यवस्था पायी जाती है ?
उ० - तीन (i) पूँजीवादी, (ii) समाजवादी (iii) मिश्रित
10. योजना आयोग के अध्यक्ष कौन होता है ?
उ० प्रधान मंत्री ।
11. आर्थिक विकास का गैर आर्थिक कारक कौन है ?
उ० - तकनीकी विकास ।
12. आर्थिक विकास एवं भौतिक विकास एक दूसरे के है -
उ० पूरक ।
13 मनरेगा ~~(मनरेगा)~~ में कितने दिनों तक काम देने की व्यवस्था है ?
उ० 100 दिन
14. मनरेगा का पूरा नाम क्या है ?
Mahatma Gandhi Gramin Rojgar Gaurantee Act (Mahatma gandhi Rural Employment Gaurantee Act)
15. भारत की अर्थव्यवस्था कैसी है ?
उ० मिश्रित ।
16 राष्ट्रीय विकास परिषद का गठन कब हुआ ?
उ० ~~6 अगस्त 1952 ई०~~ 6 अगस्त 1952
17. विकसित अर्थव्यवस्था वाले देश —
उ० संयुक्त राज्य अमेरिका, इटली, ब्रिटेन, रूस, जापान
18. विकासशील देश - भारत, चीन,
19 अविकसित देश - पाकिस्तान नेपाल, श्रीलंका, वर्मा
20 अंग्रेजों ने भारतीय अर्थव्यवस्था को किया
उ० शोषण ।
21 ऊर्जा का मुख्य स्रोत है — कोयला, पेट्रोलियम, विद्युत
22. स्वतंत्रता पूर्व भारतीय अर्थव्यवस्था क्या थी -
उ० - कृषि प्रधान

Scanned with CamScanner

23. राष्ट्रीय आय में क्या-क्या सम्मिलित रहती है?
उ०- घरेलू उद्योग की आय + विदेशों से प्राप्त आय।
24. राष्ट्रीय आय का सृजन होता है
उ०- उत्पादन क्रियाओं द्वारा।
25. राष्ट्रीय आय समतुल्य होता है।
उ०- उपभोग व्यय और विनियोग के योग के।
26- भारत में वित्तीय वर्ष कहा जाता है।
उ० 1 अप्रैल से 31 मार्च तक
27. भारत में किस राज्य का प्रति व्यक्ति आय सर्वाधिक है?
उ०- गोवा का
28. बिहार के किस जिले का प्रति व्यक्ति आय सर्वाधिक है?
उ०- पटना का।
29. राष्ट्रीय आय की गणना सर्वप्रथम कब और किसके द्वारा किया गया था?
उ० 1868 ई० मे दादाभाई नौरोजी द्वारा।
30. निम्न का पूर्ण रूप लिखें:-

- G.D.P.→ Gross development product.
- P.C.I.→ Per Capita Income.
- N.S.S.O.→ National Sample ~~Servey~~ Survey Organisation
- C.S.O→ Central Statistical Organisation.
- G.N.-P.→ Gross National product.
- N.N.-P.→ Net National product.
- N.I.→ National Income.
- E.D.I→ Economic Development Index.

प्रधानाध्यापक

Scanned with CamScanner

31. बिहार के किस जिले का प्रति व्यक्ति आय कम है?
उ० - शिवहर का।
32. बिहार की अर्थव्यवस्था के प्राथमिक क्षेत्र का मुख्य अंग है
उ० - कृषि।
33. किसी राज्य के नागरिकों का जीवन स्तर किस पर निर्भर करता है?
उ० - शुद्ध घरेलू उत्पाद पर + सकल घरेलू उत्पाद पर
34 उत्पादन गणना विधि का प्रयोग सर्वप्रथम किस देश ने किया था?
उ० - ब्रिटेन में।
35. राज्य घरेलू उत्पाद का आकलन कैसे किया जाता है?
उ० - स्थिर मूल्य पर + वर्तमान मूल्य पर।
36. आय वह पारिश्रमिक है जो मिलता है।
उ० - शारीरिक एवं मानसिक श्रम से।
37 - श्रम का पारिश्रमिक है -
उ० - मजदूरी
38 - पूँजी का पारिश्रमिक है -
उ० - ब्याज।
39. भूमि का पारिश्रमिक है -
उ० - लगान।
40 प्रबंधन का पारिश्रमिक है
उ० - वेतन।
41 - मालिक को मिलने वाला हिस्सा है
उ० - लाभ।
42 - भारत में किस राज्य की प्रति व्यक्ति आय कम है?
उ० - बिहार।

Scanned with CamScanner

प्रश्न → अर्थ व्यवस्था किसे कहते है ?
उ० → अर्थ व्यवस्था एक ऐसा यंत्र या ढाँचा है जिसके अन्तर्गत विभिन्न प्रकार की आर्थिक क्रियाओं का सम्पादित की जाती है। जैसे - कृषि, उद्योग, व्यापार बैंकिंग, बीमा, परिवहन तथा संचार आदि। ये आर्थिक क्रियाएँ एक ओर तो विभिन्न प्रकार की वस्तुएं एवं सेवाओं का सम्पादन करते है। तो दूसरी ओर लोगों को रोजगार के अवसर प्रदान करती है, ताकि वे अपनी आवश्यकताओं की संतुष्टि हेतु देश में उत्पादित वस्तुओं एवं सेवाओं का क्रय कर सके।

प्रश्न → उपनिवेश क्या है ?
उत्तर → जब कोई भी देश किसी बड़े समृद्धशाली राष्ट्र के शासन के अन्तर्गत रहता है और उसके समस्त आर्थिक एवं व्यावसायिक कार्यों का निर्देशन एवं नियंत्रण शासक देश का होता है तो ऐसे शासित देश को शासक देश का उपनिवेश कहा जाता है। जैसे भारत, ब्रिटेन का उपनिवेश था।

प्रश्न → अर्थ व्यवस्था कितने प्रकार के होते हैं ?
उत्तर → अर्थव्यवस्था तीन प्रकार के होते हैं। प्रधानाध्यापक
(i) पूँजीवादी अर्थ व्यवस्था (Capitalist Economy)
जिस अर्थ व्यवस्था में उत्पादन के साधनों पर निजी व्यक्ति या कुछ व्यक्ति समूह का स्वामित्व एवं नियंत्रण हो तो उसे पूँजीवादी अर्थ व्यवस्था कहते हैं। जैसे - अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया आदि।

Scanned with CamScanner

(ii) समाजवादी अर्थव्यवस्था (Socialist Economy) जिस अर्थव्यवस्था में उत्पादन के साधनों पर देश की सरकार की हो तो उसे समाजवादी अर्थव्यवस्था कहते हैं। जैसे रूस, वियतनाम, उत्तर कोरिया चीन, क्यूबा विगत वर्षों में भूमंडलीकरण एवं उदारीकरण के कारण समाजवादी अर्थव्यवस्था का स्वरूप बदलने लगा है।

(iii) मिश्रित अर्थव्यवस्था (Mixed Economy) :- जिस अर्थव्यवस्था में उत्पादन के साधनों पर निजी व्यक्ति समूह एवं सरकार दोनों का स्वामित्व एवं नियंत्रण हो तो उसे मिश्रित अर्थव्यवस्था कहते हैं। जैसे भारत।

प्रश्न → अर्थव्यवस्था की संरचना या ढाँचे को कितने क्षेत्रों में बाँटा गया है?

उत्तर → तीन क्षेत्रों में बाँटा गया है।

(i) प्राथमिक क्षेत्र → इसे कृषि क्षेत्र भी कहा जाता है। इसके अन्तर्गत - कृषि, पशुपालन, मछली पालन, बागवानी, वन इत्यादि

(ii) द्वितीयक क्षेत्र → इसे औद्योगिक क्षेत्र भी कहा जाता है। इसके अन्तर्गत - खनिज, व्यवसाय, निर्माण कार्य, गैस, बिजली इत्यादि

(iii) तृतीयक क्षेत्र → इसे सेवा क्षेत्र भी कहा जाता है। इसके अन्तर्गत बैंक एवं बीमा, संचार, परिवहन एवं व्यापार इत्यादि आते हैं।

प्रश्न → सतत विकास क्या है?

उत्तर → विकास की वह प्रक्रिया जो शाश्वत चलता रहे, टिकाऊ बना रहे। सतत विकास प्रक्रिया में न केवल वर्तमान पीढ़ी बल्कि भावी पीढ़ी के विकास को भी ध्यान में रखा जाता है।

Scanned with CamScanner

प्रश्न → आर्थिक नियोजन क्या है?

उत्तर → आर्थिक नियोजन का अर्थ राष्ट्र की प्राथमिकताओं के अनुसार देश के संसाधनों का विभिन्न विकासात्मक क्रियाओं में प्रयोग करना है। भारत अभी 10 पंचवर्षीय योजनाओं को पूरी कर चुका है तथा अब ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजनाओं के अन्तर्गत विकास कर रहा है। भारत में प्रथम पंचवर्षीय योजना 1951-56 तक बनाया गया था।

प्रश्न → समावेशी विकास क्या है?

उत्तर → आर्थिक विकास की वह प्रक्रिया या पद्धति जिससे समाज के सभी वर्गों का जीवन स्तर ऊँचा उठता जाए तथा समाज का कोई भी वर्ग विकास के लाभ से अछूता नहीं रहे। तो उसे समावेशी विकास कहते हैं।

प्रश्न → आधारभूत संरचना क्या है?

उत्तर → आधारभूत संरचना का तात्पर्य उन सुविधाओं एवं सेवाओं से है जो देश के आर्थिक विकास में सहायक होते हैं। जैसे— बिजली, परिवहन, संचार, बैंकिंग, स्कूल, अस्पताल इत्यादि। किसी भी देश का आर्थिक विकास उस देश के आधारभूत संरचना पर निर्भर करता है। जिस देश का आधारभूत संरचना जितना मजबूत होता है उस देश का आर्थिक विकास भी अधिक होता है।

प्रश्न → प्रति व्यक्ति आय क्या है?

उत्तर → कुल राष्ट्रीय आय में कुल जनसंख्या से भाग देने पर जो भागफल आता है उसे प्रति व्यक्ति आय कहते हैं।

प्रधानाध्यापक

प्रश्न → राष्ट्रीय आय किसे कहते हैं?

उत्तर → एक साल के भीतर देश में जितनी वस्तुओं एवं सेवाओं का उत्पादन होता है उसके कुल मूल्य के योग को राष्ट्रीय आय कहते हैं।

Scanned with CamScanner

प्रश्न → राष्ट्रीय विकास परिषद् क्या है?

उत्तर → राष्ट्रीय विकास परिषद् का गठन 6 अगस्त 1952 ई. को किया गया था। इसका पदेन अध्यक्ष प्रधानमंत्री होता है। सभी राज्यों के मुख्यमंत्री और केन्द्रशासित प्रदेशों के प्रशासक इसका पदेन सदस्य होते हैं। इसका उद्देश्य आर्थिक नियोजन हेतु राज्य सरकारों तथा योजना आयोग के बीच तालमेल तथा सहयोग का वातावरण बनाने के लिए किया गया है। पंचवर्षीय योजना बनाने का कार्य योजना आयोग का है और अन्त में यह राष्ट्रीय विकास परिषद् द्वारा अनुमोदित (approved) होता है।

प्रश्न → योजना आयोग क्या है?

उत्तर → योजना आयोग का गठन 15 मार्च 1950 ई० को किया गया था। प्रधान मंत्री इसका पदेन अध्यक्ष होते हैं। इसका काम काज एक उपाध्यक्ष की देखरेख में होता है। इसमें कुल 8 सदस्य होते हैं।

प्रश्न → मानव विकास रिपोर्ट क्या है?

उत्तर → मानव विकास रिपोर्ट के द्वारा विभिन्न देशों के लोगों की तुलना लोगों के शैक्षिक स्तर, उनकी स्वास्थ्य की स्थिति और प्रति व्यक्ति आय की जानकारी प्राप्त की जाती है। यह रिपोर्ट पहली बार संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम द्वारा प्रकाशित की गयी थी।

मानव विकास सूचकांक = जीवन आशा + शिक्षा का स्तर + जीवन स्तर।

प्रश्न → मनरेगा क्या है?

उत्तर → मनरेगा (MNREGA) का पुरा नाम Mahatma Gandhi National Rural Employment Guarantee Act) है। इसके अन्तर्गत ग्रामीण मजदूरों को साल में 100 दिन काम देने की व्यवस्था है। इसके लिए न्यूनतम मजदूरी निर्धारित है।

Scanned with CamScanner

प्रश्न → आर्थिक विकास क्या है? आर्थिक प्रगति (विकास) (Economic progress) और आर्थिक वृद्धि (Economic growth) में क्या अंतर है?

उत्तर → आर्थिक विकास एक ऐसी प्रक्रिया है जिसके द्वारा दीर्घ काल में किसी अर्थव्यवस्था की वास्तविक राष्ट्रीय आय में वृद्धि होती है।

साहित्यिक दृष्टि से विकास एवं वृद्धि में कोई फर्क नहीं है। अर्थशास्त्र विकास और वृद्धि में फर्क करता है। आर्थिक वृद्धि शब्द का प्रयोग आर्थिक दृष्टि से विकसित राष्ट्रों के संबंध में किया जाता है, जब कि विकास (प्रगति) शब्द का प्रयोग अविकसित एवं विकासशील देशों के संबंध में किया जाता है।

प्रश्न → बिहार के आर्थिक पिछड़ापन के क्या कारण है? बिहार के पिछड़ेपन दूर करने के लिए मुख्य उपाय बतायें?

उत्तर → बिहार के आर्थिक पिछड़ेपन के निम्न कारण है।

(1) तेजी से बढ़ती हुई आबादी।
(2) आधारभूत संरचना का अभाव
(3) कृषि पर निर्भरता।
(4) बाढ़ तथा सुखाड़ की स्थिति।
(5) उद्योग धंधों का अभाव।
(6) गरीबी
(7) तकनीकी शिक्षा का अभाव
(8) खराब विधि व्यवस्था।
(9) कुशल प्रशासन का अभाव
(10)

प्रधानाध्यापक

आर्थिक पिछड़ेपन दूर करने के उपाय :-

(1) जन संख्या वृद्धि पर प्रभावकारी नियंत्रण।
(2) बाढ़ एवं सुखाड़ पर नियंत्रण।
(3) कृषि जनित उद्योग-धंधों का विकास
(4) आधारभूत संरचना का ~~अभाव~~ विकास
(5) ईमानदार एवं योग्य प्रशासक।
(6) स्वच्छ एवं शांतिपूर्ण विधि व्यवस्था।
(7) केन्द्र से अधिक मात्रा में संसाधनों का हस्तांतरण।
(8) रोजगार परक शिक्षा की व्यवस्था।
(9) पूँजी निर्माण की व्यवस्था।

Scanned with CamScanner